करेंट अफ़ेयर्स

झारखण्ड

(संग्रह)

अक्तूबर

2025

Drishti, 641, First Floor,
Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry: +91-87501-87501
Email: care@groupdrishti.in

अनुक्रम

झारखण्ड 4

- पलामू की चेरो तीरंदाज़ी 4
- फूलो झानो आशीर्वाद अभियान 5
- फाइलेरिया उन्मूलन पर कार्यशाला 5
- प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना 6
- आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में रोगियों की संख्या में कमी 8
- कांशीराम जी की 19वीं पुण्यतिथि 9
- भारत छोड़ो आंदोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित 9
- कुर्मी समुदाय को ST सूची में शामिल किये जाने जनजाति विरोध प्रदर्शन 11
- झारखंड में DMFT फंड के ऑडिट का आदेश 12
- रतन टाटा की प्रथम पुण्यतिथि 12
- तंबाकू मुक्त युवा अभियान 3.0 14
- वन्यजीव अभयारण्य के रूप में सारंडा वन 14

राष्ट्रीय करेंट अफेयर्स 16

- अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस 16
- राष्ट्रीय धन्वंतरि आयुर्वेद पुरस्कार 2025 17
- माई भारत मोबाइल एप्लिकेशन लॉन्च 19
- श्यामजी कृष्ण वर्मा की जयंती 19
- विश्व कपास दिवस 2025 21
- विश्व पर्यावास दिवस 22
- 93वाँ वायुसेना दिवस 22
- 70वें फिल्मफेयर पुरस्कार 2025 23
- विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस 24
- विश्व मानक दिवस 25

The Vision

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 — SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉडयूल कोर्स — SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

नोट :

- भारत-दक्षिण कोरिया नौसैनिक द्विपक्षीय अभ्यास (IN–RoKN) ... 26
- विश्व खाद्य दिवस 2025 ... 27
- डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की जयंती ... 28
- विशाखापत्तनम में गूगल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हब ... 29
- समुद्र शक्ति का पाँचवाँ संस्करण ... 30
- संयुक्त राष्ट्र सैनिक योगदानकर्त्ता देशों के (UNTCC) प्रमुखों का सम्मेलन 2025 ... 31
- पिंकी आनंद बहरीन अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक न्यायालय की न्यायाधीश नियुक्त ... 32
- नीरज चोपड़ा को मानद लेफ्टिनेंट कर्नल की उपाधि ... 34
- अंतर्राष्ट्रीय स्नो लेपर्ड दिवस और '#23for23' पहल ... 35
- वैश्विक वन संसाधन मूल्यांकन 2025 ... 37
- पूर्वी तिमोर आसियान का 11वाँ सदस्य बना ... 38
- भौतिक वैज्ञानिक जयंत नार्लीकर को विज्ञान रत्न ... 41
- त्रिशूल अभ्यास ... 43
- मोंथा चक्रवात ... 44
- DFC पर यात्री ट्रेनों का परिचालन ... 44
- 8वें वेतन आयोग की संदर्भ शर्तें स्वीकृत ... 45
- न्यायमूर्ति सूर्यकांत 53वें मुख्य न्यायाधीश नियुक्त ... 46
- राष्ट्रीय एकता दिवस ... 47

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉडयूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

झारखण्ड

पलामू की चेरो तीरंदाज़ी

चर्चा में क्यों ?

आगामी **आर्चरी प्रीमियर लीग (APL)** में झारखंड फ्रेंचाइज़ी का नाम **चेरो आर्चर्स** रखा गया है, **जो पलामू की** चेरो जनजाति के साहस और युद्ध परंपराओं की विरासत का सम्मान करता है।

- 2 से 12 अक्तूबर, 2025 तक आयोजित होने वाले APL में पृथ्वीराज योद्धा, काकतीय नाइट्स, माइटी मराठा, राजपूताना रॉयल्स और चोला चीफ्स जैसी टीमें भाग लेंगी, **जो आधुनिक खेलों को भारत की युद्ध परंपराओं के साथ मिश्रित रूप से प्रस्तुत करेंगी।**

मुख्य बिंदु

- **ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:**
  - पाल साम्राज्य (12वीं-13वीं शताब्दी) के पतन के बाद **चेरो** वर्तमान **बिहार** और **झारखंड** में प्रमुखता से उभरे। बाद में वे **पलामू (पश्चिमी झारखंड)** में बस गए, जहाँ उनके **धनुष जनजातीय दृढ़ता** का प्रतीक बन गए।
  - मुगल और ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी दोनों के विरुद्ध चेरो ने अपने वन-छावनी क्षेत्रों से लगातार **गुरिल्ला रणनीति** का उपयोग किया।
- **प्रमुख हस्तियाँ एवं घटनाएँ:**
  - **साहबल राय (17वीं शताब्दी):** जहाँगीर के समकालीन, जिन्होंने ग्रैंड ट्रंक रोड पर मुगल आपूर्ति लाइनों (1613) को बाधित किया।
    - उन्हें पकड़कर सम्राट के सामने बाघ से लड़ने के लिये मज़बूर किया गया, जहाँ उनकी मृत्यु गई, जिससे उन्हें **जनजातीय लोगों** में सम्मान प्राप्त हुआ।
  - **मेदिनी राय (चेरो नेपोलियन):** सबसे प्रसिद्ध चेरो नेता; झारखंड में **मेदिनीनगर** का नाम उनके नाम पर रखा गया।
    - वर्ष 1660 में औरंगज़ेब के सेनापतियों, जैसे– **दाऊद खान** और **शाइस्ता खान** के खिलाफ प्रतिशोध का नेतृत्व किया।
    - इतिहासकार **डब्ल्यू.डब्ल्यू. हंटर** ने उनके साहसी तीरंदाज़ी की प्रशंसा की।
  - **18वीं शताब्दी का प्रतिशोध:** वर्ष 1730 में चेरो तीरों ने **पलामू** में **मुअज्ज़म खान** के नेतृत्व में मुगल सेना को अस्थिर कर दिया। बाद में फखरुद्दौला उनके **साथ असहज राजस्व समझौते पर सहमत हुआ।**
    - **अंग्रेज़ों के विरुद्ध** वर्ष 1771 में **चित्रजीत राय** के चेरोस ने **कैप्टन जैकब कैमक** को **धनुष और बाण** से चुनौती दी।
  - वर्ष 1817-57 के बीच छोटे-छोटे विद्रोहों के साथ उनका प्रतिशोध जारी रहा।
  - **1857 का विद्रोह:** चेरो बंधुओं **नीलांबर और पीतांबर** ने संथालों के साथ मिलकर अंग्रेज़ों के खिलाफ **जनजातीय विद्रोह** का नेतृत्व किया।
- **धनुष और बाण का सांस्कृतिक महत्त्व:**
  - चेरो जनजाति के लिये तीरंदाज़ी **केवल कौशल नहीं बल्कि जीवन शैली थी**, जिसमें पुरुष और महिलाएँ दोनों युद्ध तथा सांस्कृतिक प्रथाओं, जैसे– शिकार एवं नदी-गोताखोरी में भाग लेते थे। उनके सरल व मुड़े हुए धनुष शत्रु के विरुद्ध वीर प्रतिरोध का प्रतीक थे।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

फूलो झानो आशीर्वाद अभियान

चर्चा में क्यों ?

चाईबासा में उप विकास आयुक्त (DDC) की अध्यक्षता में आयोजित **झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (JSLPS)** की **समीक्षा बैठक** में पश्चिमी सिंहभूम में **फूलो झानो आशीर्वाद अभियान** की प्रगति और आजीविका गतिविधियों की समीक्षा की गई।

मुख्य बिंदु

- **फूलो झानो आशीर्वाद अभियान (PJAA):**
  - इस अभियान का प्रमुख उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में ***हड़िया*** **(देशी शराब)** बनाने और बेचने की प्रथा को समाप्त करना है।
    - सितंबर 2020 में ग्रामीण विकास विभाग द्वारा प्रारंभ की गई यह योजना महिलाओं को सम्मानजनक एवं स्थायी आजीविका के अवसर प्रदान कर उन्हें सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण पहल है।
- **दृष्टि:**
  - यह पहल **शराब के व्यापार में संलग्न महिलाओं का पुनर्वास कर** उन्हें सम्मानजनक एवं स्थायी आय स्रोतों से जोड़ने तथा मुख्यधारा में लाने पर केंद्रित है।
  - यह अभियान ज़मीनी स्तर पर **आर्थिक स्वतंत्रता**, सामाजिक समावेशन एवं **महिला सशक्तीकरण** को प्रोत्साहित करने के लिये तैयार किया गया है।
- **सहायता तंत्र:**
  - इस पहल के अंतर्गत स्वयं सहायता समूह (SHG) की सदस्याओं को प्रत्येक प्रभावित **परिवार** तक पहुँचने और आवश्यक सहायता सुनिश्चित करने की ज़िम्मेदारी सौंपी गई है।
  - सखी मंडल के माध्यम से **10,000 रुपए तक का ब्याज-मुक्त ऋण** नए उद्यम शुरू करने के लिये प्रदान किया जाता है।
  - यह योजना महिलाओं को **शराब उत्पादन से स्थायी आजीविका की ओर स्थानांतरित** करने में मदद करने के लिये **तकनीकी सहायता, मार्गदर्शन और परामर्श** प्रदान करती है।
- **उपलब्धियाँ:**
  - **कुल चिह्नित महिलाएँ:** 15,284 (घर-घर सर्वेक्षण के माध्यम से)
  - **पुनर्वासित महिलाएँ:** 14,003 महिलाएँ अब वैकल्पिक आय-सृजन गतिविधियों के माध्यम से **सम्मानजनक आजीविका अर्जित** कर रही हैं।

फाइलेरिया उन्मूलन पर कार्यशाला

चर्चा में क्यों ?

फाइलेरिया उन्मूलन अभियान के तहत **आरोग्य आयुष्मान मंदिर, चांदकोपा** में **स्वास्थ्य जागरूकता कार्यशाला** का आयोजन किया गया।

- इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों को **लिम्फेटिक फाइलेरियासिस** की **रोकथाम, लक्षण** और **उपचार** के बारे में शिक्षित करना था। यह एक **मच्छर जनित रोग** है, जो विभिन्न क्षेत्रों में **हज़ारों लोगों को प्रभावित** करता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

- **लिम्फेटिक फाइलेरियासिस के बारे में:**
  - **लिम्फेटिक फाइलेरियासिस (एलिफेंटियासिस)** एक उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोग (NTD) है, जो **मच्छरों के माध्यम से फैलने वाले फाइलेरिया परजीवियों** के संक्रमण के कारण होता है।
- **व्यापकता:**
  - वर्ष 2021 में, **44 देशों** में लगभग **882.5 मिलियन लोग** ऐसे क्षेत्रों में रहते थे जहाँ **संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिये निवारक कीमोथेरेपी** की आवश्यकता थी।
  - **मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (MDA)** के 75% ज़िले पाँच राज्यों बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, ओडिशा और तेलंगाना से हैं।
- **कारण:**
  - यह फाइलेरियोडिडिया परिवार के **सूत्रकृमि (गोलकृमि)** नामक परजीवियों के संक्रमण से होता है। ये धागे जैसे फाइलेरिया कृमि तीन प्रकार के होते हैं:
    - **वुचेरेरिया बैन्क्रॉफ्टी** (90% मामलों के लिये ज़िम्मेदार)
    - **ब्रुगिया मलेई** (शेष अधिकांश मामलों का कारण)
    - **ब्रुगिया टिमोरी** (जो भी रोग का कारण बनता है)
- **लक्षण:**
  - अधिकांश संक्रमण **लक्षणहीन** रहते हैं, लेकिन दीर्घकालिक मामलों में **लिम्फोएडेमा, एलिफेंटियासिस और हाइड्रोसील** होता है, जिससे **विकलांगता** तथा **सामाजिक कलंक** होता है।
- **उपचार और रोकथाम:**
  - **विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)** द्वारा अनुशंसित **मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (MDA)** जोखिमग्रस्त लोगों को **संचरण को रोकने के लिये वार्षिक निवारक कीमोथेरेपी** प्रदान करता है।
- **वैश्विक और राष्ट्रीय प्रयास:**
  - वर्ष 2000 में शुरू किया गया **लिम्फेटिक फाइलेरियासिस उन्मूलन हेतु वैश्विक कार्यक्रम (GPELF)** का लक्ष्य वर्ष **2030 तक** निवारक कीमोथेरेपी और **रुग्णता प्रबंधन** के माध्यम से इसका उन्मूलन करना है।
  - भारत का **मिशन मोड MDA अभियान, राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस (10 फरवरी और 10 अगस्त)** के साथ संरेखित है, जिसका लक्ष्य **वर्ष 2027 तक कृमि उन्मूलन** करना है, जो वैश्विक लक्ष्य से तीन वर्ष पहले है।

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना पर **एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम** झारखंड के करमाटांड़ में आयोजित किया गया, जिसमें **163 प्रतिभागियों ने व्यावहारिक (हैंड्स-ऑन) प्रशिक्षण** प्राप्त किया।

- इस पहल का उद्देश्य **कौशल विकास, वित्तीय सहायता और आधुनिक विपणन उपकरणों** के साथ एकीकरण के माध्यम से **पारंपरिक शिल्पकारों** को सशक्त बनाना है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025
SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस
SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स
SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप
SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

- **कौशल विकास पर केंद्रित:**
  - प्रत्येक प्रतिभागी को प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिये **15,000 रुपए** दिये गए, जिसमें प्रोत्साहन के रूप में 500 रुपए प्रतिदिन शामिल थे।
  - **यह पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम** पारंपरिक शिल्पकारों के कौशल उन्नयन पर केंद्रित था, जिसे **योजना के अंतर्गत मान्यता प्राप्त 18 पारंपरिक व्यवसायों** में संचालित किया गया।
- **वित्तीय सहायता:**
  - प्रशिक्षित शिल्पकारों को न्यूनतम ऋण जोखिम के साथ **5% रियायती ब्याज दर** पर **1 लाख की रुपए प्रथम ऋण किस्त** उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे वे **अपना व्यवसाय का विस्तार** कर सकें या **सूक्ष्म उद्यम** प्रारंभ कर सकें।
- **प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना**
  - **शुभारंभ वर्ष:** 2023
  - **योजना का प्रकार:** केंद्रीय क्षेत्रक योजना
  - **नोडल मंत्रालय:** सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (MSME)
  - **पात्रता: 18 वर्ष से अधिक आयु** के पारंपरिक कारीगर और शिल्पकार, जो **18 चिह्नित व्यवसायों** में संलग्न हों।
- **लाभ:**
  - **पंजीकरण एवं मान्यता:** विश्वकर्मा के रूप में मान्यता: PM विश्वकर्मा प्रमाण पत्र और आई.डी. कार्ड
- **ऋण सहायता:**
  - **संपार्श्विक मुक्त उद्यम विकास ऋण:**
    - 1 लाख रुपए तक
    - 2 लाख रुपए तक
  - **5% रियायती ब्याज दर:**
    - भारत सरकार द्वारा 8% तक ब्याज अनुदान सीमा के अधीन
    - ऋण गारंटी शुल्क भारत सरकार द्वारा वहन किया जाएगा
- **कौशल उन्नयन:**
  - कौशल पहचान के बाद 5 दिन का बुनियादी प्रशिक्षण
  - 15 अथवा उससे अधिक दिन की उन्नत प्रशिक्षण
  - प्रशिक्षण वृत्ति: 500 रुपए प्रतिदिन
- **टूलकिट प्रोत्साहन:**
  - शुरुआत में DBT के माध्यम से 15,000 रुपए और तत्पश्चात् ई-RUPI/ईवाउचर के माध्यम से अंतरण तथा 500 रुपए की दैनिक वृत्ति, बाज़ार संपर्क, डिजिटल एकीकरण
- **लक्ष्य:**
  - कारीगरों और शिल्पकारों को औपचारिक अर्थव्यवस्था में उन्नत करना तथा एकीकृत करना।
- **कुल परिव्यय:**
  - 5 वर्ष 2023-24 से 2027-28 के लिये **13,000 करोड़ रुपए**।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में रोगियों की संख्या में कमी

चर्चा में क्यों ?

झारखंड के **बरहरवा प्रखंड** में **राष्ट्रीय आयुष मिशन** के तहत संचालित **आयुष्मान आरोग्य मंदिरों** में रोगियों की संख्या घट रही है।

- नि:शुल्क उपचार सेवाएँ उपलब्ध होने के बावजूद, **जागरूकता की कमी, अपर्याप्त अवसंरचना, डॉक्टरों एवं कर्मचारियों की कमी** तथा **आवश्यक दवाओं की अनुपलब्धता** के कारण इन केंद्रों का उपयोग कम हो रहा है।

मुख्य बिंदु

आयुष्मान आरोग्य मंदिर (AAM)

- **परिचय:**
  - आयुष्मान आरोग्य मंदिर **स्वास्थ्य सेवाओं की एक विस्तृत शृंखला प्रदान करते हैं**, जिनमें **निवारक, प्रोत्साहनात्मक, पुनर्वास और उपचारात्मक देखभाल** शामिल हैं।
- **घटक:** इसके दो घटक हैं जो एक दूसरे के पूरक हैं।
  - **प्रथम घटक:**
    - इसके अंतर्गत **1,50,000 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों** की स्थापना की जाएगी, ताकि **व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल** उपलब्ध कराई जा सके।
    - ये सेवाएँ **सार्वभौमिक एवं नि:शुल्क** होंगी, जिनका उद्देश्य **कल्याण उन्मुख और समुदाय-निकट सेवाओं** की विस्तृत शृंखला का वितरण सुनिश्चित करना है।
  - **द्वितीय घटक:**
    - **प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (PM-JAY)**, जो द्वितीयक और तृतीयक देखभाल हेतु **10 करोड़ से अधिक गरीब एवं कमज़ोर परिवारों** को प्रति वर्ष **5 लाख रुपए का स्वास्थ्य बीमा कवर** प्रदान करती है।
- **महत्त्व:**
  - AAM को **विस्तारित स्वास्थ्य सेवाओं की श्रेणी** प्रदान करने के लिये परिकल्पित किया गया है, जो केवल **मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य देखभाल** तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें **गैर-संचारी रोगों की देखभाल, उपशामक और पुनर्वास देखभाल, मौखिक, नेत्र** तथा **ENT देखभाल, मानसिक स्वास्थ्य और आपात स्थिति** तथा **आघात के लिये प्रथम-स्तरीय देखभाल, मुफ्त आवश्यक दवाओं एवं नैदानिक सेवाओं** की उपलब्धता शामिल हैं।

राष्ट्रीय आयुष मिशन (NAM)

- यह एक **केंद्र प्रायोजित योजना है, जिसे वर्ष** 2014 में अनुमोदित और अधिसूचित किया गया था।
- इसका मुख्य उद्देश्य लागत प्रभावी आयुष सेवाओं के माध्यम से **आयुष चिकित्सा प्रणालियों को बढ़ावा देना, शैक्षिक प्रणालियों को सशक्त करना, आयुर्वेद, सिद्ध और यूनानी एवं होम्योपैथी (ASU & H दवाओं) की गुणवत्ता नियंत्रण का पालन सुनिश्चित करना** तथा **ASU & H कच्चे माल की निरंतर उपलब्धता** सुनिश्चित करना है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

कांशीराम जी की 19वीं पुण्यतिथि

चर्चा में क्यों ?

बहुजन समाज पार्टी (BSP) के संस्थापक **कांशीराम** जी का **19वाँ परिनिर्वाण दिवस (पुण्यतिथि) 9 अक्तूबर 2025** को **धनबाद के लतानी स्थित अंबेडकर क्लब** में मनाया गया।

मुख्य बिंदु

कांशीराम जी के बारे में

- **जन्म एवं प्रारंभिक जीवन:**
  - 15 मार्च, 1934 को **पंजाब** में जन्मे, कांशीराम जी ने अपना जीवन **समाज के वंचित वर्गों के उत्थान** और **बहुजन समाज को सशक्त बनाने** के लिये समर्पित कर दिया।
  - कम उम्र से ही उन्होंने **उत्पीड़ित समुदायों की दुर्दशा** के प्रति गहरी सहानुभूति और करुणा का भाव प्रदर्शित किया।
  - उन्होंने **जाति व्यवस्था में व्याप्त असमानताओं** को पहचाना और **संगठित राजनीतिक कार्रवाई** के माध्यम से यथास्थिति को चुनौती देने का संकल्प लिया।
- **बहुजन समाज पार्टी की स्थापना:**
  - वर्ष 1984 में उन्होंने **अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़ा वर्गों और धार्मिक अल्पसंख्यकों** से युक्त बहुजन समाज को एकजुट करके एक सशक्त राजनीतिक शक्ति बनाने के उद्देश्य से **बहुजन समाज पार्टी** की स्थापना की।
  - **उनका दृष्टिकोण समाज के वंचित वर्गों को अपने अधिकारों की मांग करने और भारत के सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्य में अपना उचित स्थान पाने** के लिये एक मंच प्रदान करना था।
- **अन्य प्रमुख संगठन:**
  - उन्होंने वर्ष 1971 में **अखिल भारतीय पिछड़ा एवं अल्पसंख्यक समुदाय कर्मचारी महासंघ (BAMCEF)** और वर्ष **1981** में **दलित शोषित समाज संघर्ष समिति (DS-4)** की भी स्थापना की।
- **मृत्यु:**
  - **9 अक्तूबर, 2006** को उनका निधन हो गया।

भारत छोड़ो आंदोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित

चर्चा में क्यों ?

भारत छोड़ो आंदोलन (1942) के स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि देने के लिये **8 अक्तूबर 2025 को पटमदा** में एक श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया गया, जिसे **पटमदा और बोड़ाम की राष्ट्र शहीद सम्मान समिति** ने संयुक्त रूप से आयोजित किया।

- इस कार्यक्रम में **स्थानीय नेता** और शहीद **भझारी महतो, लक्ष्मण महतो, मदीराम महतो, बिप्रा महतो, रतन माझी, जुड़न मुदी** एवं **दुर्गा चरण सिंह** शामिल थे।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

भारत छोड़ो आंदोलन

- **शुरुआत और उद्देश्य:**
  - **महात्मा गांधी** ने **8 अगस्त, 1942** को मुंबई में **ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी** के अधिवेशन के दौरान इस आंदोलन की शुरुआत की। क्रिप्स मिशन की विफलता के बाद, इस आंदोलन में **ब्रिटिश शासन को तुरंत समाप्त** करने की मांग की गई।
- **गांधी जी का आह्वान:**
  - गांधी जी ने गौवालिया टैंक मैदान (अब अगस्त क्रांति मैदान) से **"करो या मरो"** का आह्वान किया, जिसमें **भारतीयों से ब्रिटिश शासन के तत्काल अंत की मांग** करने का आग्रह किया गया।
- **नारा और प्रतीकात्मकता:**
  - **"भारत छोड़ो"** का नारा मुंबई के समाजवादी और ट्रेड यूनियन नेता **यूसुफ मेहर अली** ने दिया था, जिन्होंने पहले **"साइमन गो बैक"** का नारा भी गढ़ा था।
  - आंदोलन के दौरान, **अरुणा आसफ अली एक प्रमुख हस्ती** बन गईं, जिन्होंने गोवालिया टैंक मैदान पर अवज्ञा के प्रतीक के रूप में भारतीय ध्वज फहराया।
- **नए नेताओं का उदय:**
  - इस आंदोलन के दौरान **डॉ. राम मनोहर लोहिया** और **जयप्रकाश नारायण** जैसे नए नेता उभरकर सामने आए।
    - महिलाओं ने भी इसमें महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई, कई महिलाओं ने प्रदर्शन का नेतृत्व किया और प्राणों की आहुति तक दी, जैसे मतंगिनी हाज़रा, जो हाथ में तिरंगा लिये शहीद हुईं तथा **सुचेता कृपलानी**, जो बाद में भारत की पहली **महिला मुख्यमंत्री (उत्तर प्रदेश)** बनीं।
- **भारत छोड़ो आंदोलन का स्वरूप:**
  - यह आंदोलन पहले के शांतिपूर्ण आंदोलनों जैसे असहयोग और सविनय अवज्ञा से अलग था, क्योंकि यह ब्रिटिश शासन की पूरी तरह समाप्ति के लिये जन विद्रोह था।
    - हालाँकि गांधी जी ने अहिंसा पर ज़ोर दिया, लेकिन आंदोलन में आत्मरक्षा के लिये **हिंसा** को भी शामिल किया गया। इसमें **ब्रिटिश संपत्तियों पर तोड़फोड़ और गुरिल्ला हमलों** जैसी स्वत:स्फूर्त कार्रवाइयों की अनुमति थी।
  - कांग्रेस नेताओं की गिरफ्तारी के बाद, पूरे **भारत में व्यापक विरोध प्रदर्शन, हड़तालें और तोड़फोड़** शुरू हो गई, जिसमें छात्रों और युवाओं ने, विशेषकर **शहरी केंद्रों** में, अगुवाई की।
  - **मुस्लिम समुदाय** ने अधिकांशत: QIM में भाग नहीं लिया, इसे एक हिंदू राष्ट्रवादी आंदोलन के रूप में देखा गया, जिसने बढ़ते **सांप्रदायिक विभाजन और मुस्लिम लीग** के अलग राज्य के लिये दबाव को उजागर किया।
- **विरासत:**
  - यह आंदोलन भारत के स्वतंत्रता संग्राम का एक महत्त्वपूर्ण मार्ग बना, जिसने **एकता और दृढ़ संकल्प** का प्रदर्शन किया, जिसके परिणामस्वरूप अंतत: ब्रिटिश शासन का अंत हुआ।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- भारत **छोड़ो आंदोलन** एक ऐतिहासिक क्षण था, जिसने **भारत की भावी राजनीति** को आकार दिया। गोवालिया टैंक मैदान में अपने भाषण में, गांधी जी ने कहा था कि **सत्ता भारत के लोगों के हाथ में होगी।** इस आंदोलन ने स्वतंत्रता संग्राम को वास्तव में **"हम भारत के लोगों"** का प्रतीक बना दिया।

कुर्मी समुदाय को ST सूची में शामिल किये जाने जनजाति विरोध प्रदर्शन

चर्चा में क्यों?

चांडिल में **जनजाति सामाजिक संगठनों** द्वारा व्यापक स्तर पर **विरोध प्रदर्शन और धरना** दिया गया, जिसका उद्देश्य **कुर्मी (कुड़मी) समुदाय को** अनुसूचित जनजाति (ST) में शामिल करने की मांग का विरोध करना था।

- एक **प्रतिनिधिमंडल ने भारत के** राष्ट्रपति को संबोधित एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें सरकार से कुर्मियों को ST सूची में शामिल न करने की मांग की गई।

मुख्य बिंदु

विरोध के कारण

- **जनजातीय अस्मिता पर खतरा:**
  - जनजातीय प्रतिनिधियों ने यह स्पष्ट किया कि कुर्मी समुदाय को **अनुसूचित जनजाति (ST)** सूची में शामिल करने से मौजूदा जनजातीय समुदायों की **विशिष्ट पहचान, परंपराएँ और संवैधानिक अधिकार** प्रभावित होंगे।
    - झारखंड, बिहार, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के जनजाति संगठनों ने इस कदम का विरोध करते हुए एकजुटता व्यक्त की।
- **ऐतिहासिक और सांस्कृतिक आधार:**
  - प्रदर्शनकारियों ने बिरसा मुंडा, सिद्धो-कान्हू, बुधु भगत और **गंगा नारायण सिंह** जैसे जनजातीय नेताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि **जनजातीय पहचान** एक **अद्वितीय सामाजिक-सांस्कृतिक इतिहास** में निहित है, जो **कुर्मी समुदाय** से अलग है।
- **'रेल रोको' आंदोलन का विरोध:**
  - अनुसूचित जनजाति का दर्जा प्राप्त करने के लिये कुर्मियों द्वारा चलाए जा रहे **"रेल टेका आंदोलन" (रेल रोको आंदोलन)** को जनजातीय नेताओं ने **अन्यायपूर्ण दबाव की रणनीति** बताते हुए **जनजातीय स्वायत्तता** के लिये चुनौती करार दिया।

कुर्मी समुदाय

- **सामाजिक संरचना:**
  - कुर्मी मुख्यत: एक **कृषक समुदाय** है, जिनकी जनसंख्या **जंगलमहल क्षेत्रों** सहित **पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा के** छोटा नागपुर पठार और **बिहार के सीमावर्ती क्षेत्रों** में केंद्रित है।
- **ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:**
  - वर्ष **1931 की जनगणना में कुर्मियों को अनुसूचित जनजातियों के रूप में वर्गीकृत समुदायों में शामिल किया गया था** और वर्ष 1950 में उन्हें अनुसूचित जनजातियों की सूची से बाहर कर दिया गया **था।**
    - जब स्वतंत्र भारत में ST सूची तैयार की गई तो कुर्मियों को उसमें जगह नहीं मिली।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **कुर्मियों का पक्ष:**
  - उनका तर्क है कि **ब्रिटिश कालीन दस्तावेज़ों** में उन्हें **जनजाति समुदाय** के रूप में सूचीबद्ध किया गया था और वे **उस पहचान की बहाली** चाहते हैं। वे यह भी दावा करते हैं कि वे **अनुसूचित जनजातियों की धार्मिक परंपराओं और रीति-रिवाजों** का पालन करते हैं।
    - वर्ष **2004 में, झारखंड सरकार** ने सिफारिश की थी कि कुर्मी समुदाय को OBC के बजाए **ST सूची** में शामिल किया जाए।

झारखंड में DMFT फंड के ऑडिट का आदेश

चर्चा में क्यों ?

झारखंड सरकार ने फंड के दुरुपयोग की अनेक शिकायतें मिलने के बाद ज़िला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (DMFT) **का व्यापक ऑडिट कराने का निर्णय किया है।**

- इस ऑडिट का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि खनन प्रभावित क्षेत्रों में कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन **प्रभावी एवं पारदर्शी** तरीके से किया जाए।

मुख्य बिंदु

DMFT और फंड स्थिति के बारे में:

- **गठन:** DMFT की स्थापना वर्ष 2015 में प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना (PMKKY) के तहत की गई थी।
- **उद्देश्य:** खनन कार्यों से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित परिवारों के हितों की रक्षा करना।
- **उपयोग क्षेत्र:** स्वच्छ पेयजल, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, महिला एवं बाल कल्याण, कौशल विकास, सिंचाई और पर्यावरण संरक्षण।
- **फंड की स्थिति:** अगस्त 2025 तक झारखंड में संचयी DMFT फंड 16,657.95 करोड़ रुपए है।
- **ऑडिट चरण:** पहले चरण में धनबाद, चाईबासा, चतरा, रामगढ़ और पलामू ज़िले शामिल होंगे।

प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना (PMKKY)

- **नोडल मंत्रालय:** वर्ष 2015 में शुरू की गई PMKKY **खनन मंत्रालय** द्वारा **ज़िला खनिज फाउंडेशन (DMF)** के तहत अर्जित धन का उपयोग कर प्रभावित लोगों और क्षेत्रों के कल्याण हेतु लागू की गई योजना है।
- **उद्देश्य:** सरकारी योजनाओं के पूरक के रूप में खनन क्षेत्रों में कल्याणकारी परियोजनाओं को लागू करना, प्रतिकूल प्रभावों को कम करना एवं **स्थायी आजीविका** सुनिश्चित करना।
- **PMKKY 2024 दिशानिर्देश:** इस दिशानिर्देश के अनुसार DMF निधि का **कम से कम 70%** उच्च प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर खर्च किया जाना चाहिये, जो खनन प्रभावित समुदायों के कल्याण को सीधे प्रभावित करते हैं।

रतन टाटा की प्रथम पुण्यतिथि

चर्चा में क्यों ?

टाटा समूह के पूर्व अध्यक्ष रतन टाटा **की पहली पुण्यतिथि** पर जमशेदपुर में टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन ने दिग्गज उद्योगपति को पुष्पांजलि अर्पित की।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 — SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स — SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

रतन टाटा के बारे में:

- **परिचय:**
  - रतन नवल टाटा एक प्रतिष्ठित भारतीय व्यवसायी और भारत के सबसे बड़े समूहों में से एक, **टाटा समूह** के पूर्व अध्यक्ष थे।
  - **उन्हें वर्ष 2000 में पद्म भूषण और वर्ष 2008 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था।**
  - उन्होंने **कॉर्नेल विश्वविद्यालय से वास्तुकला में स्नातक की उपाधि प्राप्त की** और वर्ष 1962 में अपने **परदादा जमशेदजी टाटा** द्वारा स्थापित **टाटा समूह में शामिल होने के लिये भारत लौट आए।**
  - वह **एक लाइसेंस प्राप्त पायलट थे** जो अपने शांत आचरण, अपेक्षाकृत साधारण जीवनशैली और परोपकारिता के लिये जाने जाते थे।
- **उपलब्धियाँ:**
  - रतन टाटा ने **टाटा समूह को एक वैश्विक महाशक्ति के रूप में स्थापित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई** जिसमें इस्पात, ऑटोमोबाइल, सॉफ्टवेयर और दूरसंचार जैसे उद्यम शामिल हैं।
  - **अपने कॅरियर के शुरुआती दिनों में उन्होंने टाटा मोटर्स (पूर्व में टेल्को) और टाटा स्टील** सहित कई टाटा कंपनियों के साथ कार्य किया तथा नेशनल रेडियो एंड इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी को पुनर्जीवित किया।
  - **वर्ष 1991 में** वे **जे.आर.डी टाटा के बाद टाटा समूह के अध्यक्ष** बने।
  - उन्होंने महत्त्वपूर्ण **संगठनात्मक सुधार (जैसे सेवानिवृत्ति की आयु निर्धारित करना एवं** युवा प्रतिभाओं की नेतृत्वकारी भूमिकाओं को बढ़ावा देना) लागू किये।
- **पुरस्कार:**
  - उन्हें निम्नलिखित पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया:
    - वर्ष 2021 में असम सरकार द्वारा **असम बैभव।**
    - वर्ष 2023 में किंग चार्ल्स तृतीय द्वारा **ऑर्डर ऑफ ऑस्ट्रेलिया** के मानद अधिकारी।
    - वर्ष 2008 में IIT बॉम्बे द्वारा मानद **डॉक्टर ऑफ साइंस** की उपाधि।
    - वर्ष 2014 में महारानी एलिजाबेथ द्वितीय द्वारा मानद **नाइट ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर (GBE)**
    - वर्ष 2008 में **सिंगापुर सरकार द्वारा मानद नागरिक पुरस्कार।**
- **योगदान:**
  - टाटा ने आईटी बूम का लाभ उठाते हुए **वर्ष 1996 में टाटा टेलीसर्विसेज़** की स्थापना की तथा **वर्ष 2004 में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (TCS)** को सार्वजनिक कर दिया।
  - उनके नेतृत्व में महत्त्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय अधिग्रहण हुए, जिनमें शामिल हैं:
    - वर्ष 2000 में **टेटली टी** की खरीद।
    - वर्ष 2002 में VSNL (विदेश संचार निगम लिमिटेड) का अधिग्रहण।
    - वर्ष 2008 में **फोर्ड से जगुआर और लैंड रोवर** का अधिग्रहण।
    - **जनवरी 2022 में टाटा समूह द्वारा** सरकार से **एयर इंडिया के अधिग्रहण** में टाटा ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

तंबाकू मुक्त युवा अभियान 3.0

चर्चा में क्यों ?

राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम (NTCP) के अंतर्गत पूर्वी सिंहभूम ज़िले में 'तंबाकू मुक्त युवा अभियान 3.0' का उद्घाटन किया गया।

- **सिविल सर्जन डॉ. साहिर पॉल** द्वारा शुरू किये गए इस अभियान का **उद्देश्य तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूकता** फैलाना और युवाओं के बीच **स्वस्थ, व्यसन मुक्त जीवन** शैली को बढ़ावा देना है।

मुख्य बिंदु

- **60 दिवसीय जागरूकता अभियान:** यह अभियान **9 अक्तूबर 2025 को शुरू हुआ** और पूरे ज़िले में **60 दिनों तक जारी रहेगा।**
- डॉ. साहिर पॉल ने **तंबाकू के उपयोग के विरुद्ध शपथ दिलाई** तथा एक स्वस्थ समाज को बढ़ावा देने के लिये अभियान का नेतृत्व किया।
- अभियान का **प्राथमिक लक्ष्य युवाओं को तंबाकू के हानिकारक प्रभावों के बारे में शिक्षित करना** और उन्हें नशा मुक्त जीवन शैली अपनाने के लिये प्रेरित करना है।
- **सामुदायिक एवं संस्थागत भागीदारी:** इस अभियान में व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु सरकारी विभागों, गैर-सरकारी संगठनों तथा स्वयंसेवी समूहों के बीच सक्रिय सहयोग किया जाएगा।
- इसका उद्देश्य **शैक्षणिक संस्थानों और गाँवों को तंबाकू मुक्त क्षेत्र घोषित करना है**, जिससे शहरी तथा ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा मिलेगा।

राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम (NTCP)

- यह तंबाकू के उपयोग और उससे संबंधित स्वास्थ्य जोखिमों को कम करने के लिये **11वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान 2007-08 में शुरू** किया गया था।
- इसका उद्देश्य तंबाकू के हानिकारक प्रभावों के प्रति **जागरूकता बढ़ाना**, तंबाकू के उत्पादन एवं आपूर्ति को सीमित करना, *सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम (COTPA)* के प्रवर्तन को सुनिश्चित करना तथा लोगों को तंबाकू छोड़ने में सहायता प्रदान करना है।
- NTCP तंबाकू नियंत्रण पर *विश्व स्वास्थ्य संगठन फ्रेमवर्क कन्वेंशन* के साथ भी संरेखित है।
- तीन स्तरीय संरचना (राष्ट्रीय, राज्य और ज़िला स्तर) के माध्यम से कार्यान्वित यह योजना वर्तमान में सभी **36 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों को कवर करती है** तथा लगभग 612 ज़िलों में लागू है।
- इस कार्यक्रम के परिणामस्वरूप भारत में लगभग 8.1 मिलियन तंबाकू उपयोगकर्त्ताओं की संख्या में कमी आई है।

वन्यजीव अभयारण्य के रूप में सारंडा वन

चर्चा में क्यों ?

झारखंड मंत्रिमंडल ने **सर्वोच्च न्यायालय** के निर्देशों के अनुपालन में पश्चिमी सिंहभूम जिले के **सारंडा वन** के एक हिस्से को **वन्यजीव अभयारण्य** के रूप में अधिसूचित करने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **सारंडा वन**, जिसका अर्थ है "सात सौ पहाड़ियों की भूमि", भारत के सबसे समृद्ध साल वनों में से एक है तथा यह एक महत्त्वपूर्ण **हाथी गलियारा** भी है।

मुख्य बिंदु

- मंत्रिमंडल ने सारंडा वन के **314.65 वर्ग किलोमीटर** क्षेत्र को वन्यजीव अभयारण्य के रूप में अधिसूचित करने को मंजूरी दी, साथ ही इसके चारों ओर **1 किलोमीटर का पारिस्थितिकी रूप से संवेदनशील क्षेत्र** भी निर्धारित किया। यह प्रयास **वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग** द्वारा अनुमोदित किया गया।
    - **वन अधिकार अधिनियम (FRA)** के तहत अनुसूचित जनजातियों और पारंपरिक वनवासियों के अधिकारों तथा राज्य एवं केंद्रीय कल्याणकारी योजनाओं तक उनकी पहुँच सुरक्षित रहेगी।

सर्वोच्च न्यायालय का निर्देश

- 8 अक्तूबर 2025 को **सर्वोच्च न्यायालय** ने झारखंड को सारंडा वन को वन्यजीव अभयारण्य के रूप में अधिसूचित करने के लिये सात दिन का समय दिया था तथा बार-बार देरी करने पर **परमादेश रिट की चेतावनी दी।**
- मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने **स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (SAIL)** को राष्ट्रीय महत्त्व की परियोजनाओं के लिये मौजूदा खदानों में खनन जारी रखने की अनुमति दी, जबकि क्षेत्र में नए खनन पट्टों पर रोक लगा दी।
- राज्य ने प्रस्तावित अभयारण्य क्षेत्र का विस्तार किया है तथा **सासंगदाबुरू संरक्षण रिज़र्व के लिये भूमि भी निर्धारित की है।**

✦ ✦ ✦ ✦

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

राष्ट्रीय करेंट अफेयर्स

अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस

चर्चा में क्यों ?

भारत में **2 अक्तूबर** को महात्मा गांधी के जन्म दिवस के सम्मान में **गांधी जयंती** के रूप में मनाया जाता है।

- इस दिन को **संपूर्ण विश्व** में अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में भी मनाया जाता है, क्योंकि **वर्ष 2007** में **संयुक्त राष्ट्र** के एक प्रस्ताव को 140 से अधिक देशों ने समर्थन दिया था, जिससे इसे **सार्वभौमिक महत्त्व** प्राप्त हुआ।

मुख्य बिंदु

महात्मा गांधी के बारे में:

- **जन्म:** महात्मा गांधी का जन्म **2 अक्तूबर, 1869** को **पोरबंदर (गुजरात)** में हुआ था।
- **संक्षिप्त परिचय:** वे एक प्रसिद्ध **वकील, राजनेता, सामाजिक कार्यकर्त्ता और लेखक** थे, जिन्होंने ब्रिटिश शासन के विरुद्ध भारत के राष्ट्रवादी आंदोलन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- **पुस्तकें:** हिंद स्वराज, सत्य के साथ मेरे प्रयोग (आत्मकथा)
- **मृत्यु:** 30 जनवरी, 1948 को नाथूराम गोडसे ने उनकी गोली मारकर हत्या कर दी थी।
  - 30 जनवरी को शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है।

भारत के स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका

- **भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (INC) का नेतृत्व:** महात्मा गांधी 20वीं सदी के प्रारंभ में भारतीय **राष्ट्रीय कांग्रेस के एक प्रमुख नेता बन गए और इन्होंने** ब्रिटिश शासन को चुनौती देने के लिये **अहिंसक प्रतिरोध तथा जन-आंदोलन की वकालत की।**
  - **वर्ष 1924 का** बेलगाम अधिवेशन कांग्रेस का एकमात्र ऐसा अधिवेशन था, जिसकी अध्यक्षता गांधी जी ने की थी।
- **असहयोग आंदोलन (NCM) (1920-22):** गांधीजी ने **जलियाँवाला बाग हत्याकांड** और दमनकारी **रॉलेट एक्ट की प्रतिक्रिया में NCM की शुरुआत की।**
  - उन्होंने **भारतीयों से ब्रिटिश संस्थाओं, वस्तुओं और सम्मानों का बहिष्कार करने का आग्रह किया।**
  - गांधीजी को **बोअर युद्ध** में उनकी भूमिका के लिये **वर्ष 1915 में कैसर-ए-हिंद उपाधि से सम्मानित किया गया था** लेकिन उन्होंने जलियाँवाला बाग हत्याकांड के विरोध में **वर्ष 1920 में इसे वापस कर दिया था।**
- **दांडी मार्च (1930):** गांधीजी ने ब्रिटिश नमक कर के विरोध में गुजरात के तटीय **शहर दांडी तक नमक मार्च का नेतृत्व किया। इस क्रम में** सविनय अवज्ञा आंदोलन की शुरुआत हुई।
- **भारत छोड़ो आंदोलन (QIM), 1942:** गांधीजी ने भारत में ब्रिटिश शासन को समाप्त करने की मांग करते हुए QIM का आह्वान किया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- उनके नारे **"करो या मरो" ने लाखों लोगों को विरोध प्रदर्शनों, हड़तालों और सविनय अवज्ञा के कार्यों में भाग लेने के लिये प्रेरित किया,** जिससे स्वतंत्रता संग्राम में लोगों की भागीदारी में तथा अधिक वृद्धि हुई।

- **अहिंसा का दर्शन: अपने पूरे सक्रियता अभियान के दौरान गांधीजी ने सत्याग्रह और अहिंसा** के सिद्धांतों पर बल दिया तथा शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन की वकालत की।
  - **उनके दृष्टिकोण ने न केवल भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को प्रभावित किया बल्कि** नेल्सन मंडेला और **मार्टिन लूथर किंग जूनियर** के नेतृत्व वाले विश्वव्यापी नागरिक अधिकार आंदोलनों को भी प्रेरित किया।

राष्ट्रीय धन्वंतरि आयुर्वेद पुरस्कार 2025

चर्चा में क्यों ?

आयुष मंत्रालय ने **प्रो. बनवारी लाल** गौर, **वैद्य नीलकंधन मूस ई.टी.** और **वैद्य भावना प्रशर** को **आयुर्वेद** के क्षेत्र में उनके **उत्कृष्ट योगदान** के लिये राष्ट्रीय धन्वंतरि आयुर्वेद पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया।

मुख्य बिंदु

- **पुरस्कार के बारे में:**
  - यह पुरस्कार **आयुष मंत्रालय द्वारा स्थापित** किया गया है और पारंपरिक भारतीय चिकित्सा में **सर्वोच्च सम्मानों में से एक** माना जाता है।
  - यह आयुर्वेद के **प्रचार, संरक्षण और नवाचार** में उत्कृष्टता को मान्यता देता है।
  - वर्ष 2025 के पुरस्कार विजेता आयुर्वेद के **तीन महत्त्वपूर्ण आयामों** का प्रतिनिधित्व करते हैं- **विद्वत्ता, पारंपरिक अभ्यास और वैज्ञानिक नवाचार।**
- **विजेता:**
  - **प्रो. बनवारी लाल गौर** आयुर्वेदिक शिक्षा और संस्कृत साहित्य में छह दशकों का योगदान देने वाले विद्वान तथा शिक्षाविद् हैं, जिन्हें राष्ट्रपति सम्मान सहित कई अन्य राष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुके हैं।
  - **वैद्य नीलकंधन मूस ई.टी.** केरल स्थित वैद्यरत्नम समूह के प्रमुख हैं और 200-वर्षीय आयुर्वेदिक परंपरा की आठवीं पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते हैं।
    - उन्हें आयुर्वेद को जीवंत और समुदाय-उन्मुख अभ्यास के रूप में संरक्षित तथा आधुनिक बनाने के लिये जाना जाता है।
- **वैद्य भावना प्रशर आयुर्जिनोमिक्स (Ayurgenomics)** में अग्रणी हैं, जिन्होंने आयुर्वेदिक प्रकृति अवधारणाओं को आधुनिक आनुवंशिक विज्ञान से जोड़ा और उनके **योगदान को राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण कार्यक्रम** में एकीकृत किया गया।
- **महत्त्व:**
  - यह पुरस्कार **पारंपरिक विद्वत्ता, पारंपरिक अभ्यास और आधुनिक विज्ञान** के माध्यम से आयुर्वेद की **निरंतरता** तथा **विकास** को मान्यता देता है।
  - **एकीकृत एवं व्यक्तिगत स्वास्थ्य सेवा** में आयुर्वेद की भूमिका को सुदृढ़ करता है।
  - **पारंपरिक चिकित्सा और नवाचार** में भारत के **वैश्विक नेतृत्व** को मज़बूत करता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

आयुष चिकित्सा पद्धति

आयुष में आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा रिग्पा और होम्योपैथी शामिल हैं, आयुर्वेद का 5000+ वर्षों का प्रलेखित इतिहास है।

आयुर्वेद

भगवान ब्रह्मा को आयुर्वेद का प्रथम प्रवर्तक माना जाता है

- **संहिता काल (1000 ईसा पूर्व):** परिपक्व चिकित्सा प्रणाली के रूप में उभरा
  - **चरक संहिता:** सबसे प्राचीन और आधिकारिक संहिता
  - **सुश्रुत संहिता:** आठ विशिष्टताओं में मौलिक सिद्धांत और चिकित्सीय विधियाँ प्रदान करती है
- **मुख्य शाखा:**
  - **आत्रेय पुनर्वसु**- चिकित्सकों की शाखा
  - **दिवोदास धन्वंतरि** - शल्यचिकित्सकों की शाखा

आयुर्वेद की शाखाएँ

- काय चिकित्सा- चिकित्सा।
- शल्य चिकित्सा- सर्जरी।
- शालाक्य तंत्र- ईएनटी और नेत्र विज्ञान।
- बाल रोग चिकित्सा।
- अगद तंत्र- विष विज्ञान।
- भूतविद्या - मनोरोग।
- रसायन- कायाकल्प चिकित्सा और जराचिकित्सा।
- वाजीकरण तंत्र- सेक्सोलॉजी।

योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा

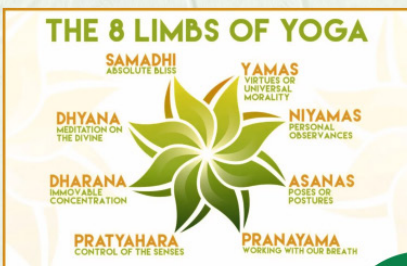

योग को सर्वप्रथम महर्षि पतंजलि ने व्यवस्थित रूप में योगसूत्र के रूप में प्रतिपादित किया

- **प्राकृतिक चिकित्सा:** 5 प्राकृतिक तत्वों - पृथ्वी, जल, वायु, अग्नि और आकाश की सहायता से उपचार
  - शरीर की स्व-उपचार क्षमता सिद्धांतों और स्वस्थ जीवन के सिद्धांतों पर आधारित
  - रोग-केंद्रित दृष्टिकोण के स्थान पर व्यक्ति-केंद्रित दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करता है

यूनानी

ग्रीस में अग्रणी, अरबों द्वारा 7 सिद्धांतों के रूप में विकसित (उमूर-ए-तब्बिया)

- बुकरात (हिप्पोक्रेट्स) और जालीनूस (गैलेन) की शिक्षाओं के ढाँचे के आधार पर
  - चार ह्युमर्स का हिप्पोक्रेटिक सिद्धांत अर्थात् रक्त, कफ, पीला पित्त और काला पित्त
- WHO द्वारा मान्यता प्राप्त और भारत द्वारा वैकल्पिक स्वास्थ्य प्रणाली के रूप में आधिकारिक दर्जा प्रदान किया गया

सिद्ध

10000 - 4000 ईसा पूर्व; सिद्धर अगस्तियार- सिद्ध चिकित्सा के जनक

- निवारक, प्रोत्साहनात्मक, उपचारात्मक, पुनर्जीवनात्मक और पुनर्वासात्मक स्वास्थ्य देखभाल
- **4 घटक:** लैट्रो-रसायन विज्ञान, चिकित्सा अभ्यास, योग अभ्यास और बुद्धि
- 3 निदानात्मक ह्युमर्स (मुक्कुट्रम) और 8 महत्त्वपूर्ण परीक्षणों (एन्वाग्ई थेरवु) पर आधारित है

आयुर्वेद के 3 गुण (त्रिदोष): वात, पित्त और कफ

सोवा रिग्पा

उत्पत्ति: भगवान बुद्ध के समय 2500 वर्ष पूर्व भारत में

- लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश आदि के हिमालयी क्षेत्रों में पारंपरिक चिकित्सा।
- भारतीय चिकित्सा केंद्रीय परिषद् अधिनियम, 1970 (वर्ष 2010 में संशोधित) द्वारा भारत में मान्यता प्राप्त।

होम्योपैथी

जर्मन चिकित्सक डॉ. क्रिश्चियन फ्रेडरिक सैमुअल हैनिमैन ने इसके मूलभूत सिद्धांतों को संहिताबद्ध किया

- जर्मन चिकित्सक डॉ. क्रिश्चियन फ्रेडरिक सैमुअल हैनिमैन ने इसके मूलभूत सिद्धांतों को संहिताबद्ध किया।
- औषधियाँ मुख्यतः प्राकृतिक पदार्थों (पौधे उत्पाद, खनिज, पशु स्रोत) से तैयार की जाती हैं।
- वर्ष 1810 में यूरोपीय मिशनरियों द्वारा भारत में लाया गया; वर्ष 1948 में आधिकारिक मान्यता प्रदान की गई।
- **3 प्रमुख सिद्धांत:**
  - सिमिलिया सिमिलिबस क्यूरेंटूर ("सम: समम् शमयति" या "समरूपता")
  - सिंगल मेडिसिन
  - मिनिमम डोज़

Drishti IAS

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

माई भारत मोबाइल एप्लिकेशन लॉन्च

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने माई भारत मोबाइल एप्लिकेशन **लॉन्च किया,** जो प्रौद्योगिकी के माध्यम से **युवाओं के नेतृत्व** और **नागरिक सहभागिता** को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।

- उन्होंने कॉमन सर्विस सेंटर (CSC) को **माई भारत पोर्टल** से एकीकृत करने की भी घोषणा की, जिससे देश भर में युवाओं से जुड़े कार्यक्रमों की व्यापक पहुँच और गहन प्रसार सुनिश्चित हो सकेगा।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:**
  - यह एक ऑनलाइन *युवा नेतृत्व और सामाजिक सहभागिता मंच* है, जिसे युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के ***युवा कार्य विभाग*** *(DoYA)* के अंतर्गत, ***डिजिटल इंडिया कॉरपोरेशन (DIC),*** ***इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY)*** द्वारा विकसित किया गया है।
  - इसका उद्देश्य युवाओं को निर्बाध मोबाइल इंटरफेस के माध्यम से **स्वयंसेवा, इंटर्नशिप, मार्गदर्शन और सीखने के अवसर प्रदान करना है।**
  - यह वर्तमान में **हिंदी और अंग्रेज़ी में उपलब्ध है** तथा धीरे-धीरे इसमें अन्य भारतीय भाषाओं को भी जोड़ा जाएगा।
- **प्रमुख विशेषताएँ:**
  - **सत्यापित अवसर:** स्वयंसेवा, इंटर्नशिप, मेंटरशिप और अनुभवात्मक शिक्षा।
  - **डिजिटल मान्यता:** बैज, प्रमाण-पत्र और व्यक्तिगत **युवा प्रोफाइल**।
  - **कॅरियर सशक्तीकरण:** कौशल निर्माण संसाधन और **एआई-सक्षम रिज्यूमे निर्माण**।
  - **युवा अभियान:** प्रमुख कार्यक्रमों और **नागरिक पहलों** में सक्रिय भागीदारी।
  - **इंटरैक्टिव लर्निंग:** विकसित भारत युवा नेता संवाद (VBYLD) 2026 क्विज़ में भागीदारी।
  - **CSC के साथ एकीकरण:** 5 लाख से अधिक *ग्राम स्तरीय उद्यमियों (VLEs)* के विशाल नेटवर्क का लाभ लेते हुए अब **माई भारत** पोर्टल दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों तक विस्तारित होगा, जिससे युवाओं का निर्बाध पंजीकरण संभव होगा और VBYLD क्विज़ जैसी पहलों में उनकी भागीदारी संभव होगी।
- प्रधानमंत्री **नरेंद्र मोदी** द्वारा **31 अक्तूबर,** 2023 को लॉन्च किया गया **माई भारत प्लेटफॉर्म** 1.81 करोड़ से अधिक युवाओं और 1.20 लाख संगठनों के साथ भारत के सबसे बड़े **युवा-केंद्रित पारिस्थितिक तंत्रों** में से एक बन गया है, जो **अमृत काल** के दौरान युवाओं की सहभागिता, **नेतृत्व** तथा **राष्ट्र निर्माण** के लिये एक **डिजिटल आधार** के रूप में कार्य कर रहा है।

श्यामजी कृष्ण वर्मा की जयंती

चर्चा में क्यों ?

प्रधानमंत्री **नरेंद्र मोदी** ने श्यामजी कृष्ण वर्मा को उनकी **जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित** की तथा **भारत के** स्वतंत्रता संग्राम के प्रति उनके समर्पण को रेखांकित करते हुए युवाओं से उनकी **निडर साहस** और **न्याय के प्रति प्रतिबद्धता** का अनुकरण करने का आग्रह किया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

- वे एक भारतीय क्रांतिकारी, देशभक्त, वकील और पत्रकार थे, जिनका जन्म **4 अक्तूबर, 1857 को** मांडवी, गुजरात में हुआ था।
- लंदन में उन्होंने वर्ष **1905 में** इंडियन होम रूल सोसाइटी की स्थापना की, जिसका उद्देश्य युवा भारतीयों को ब्रिटिश शासन के विरुद्ध क्रांतिकारी गतिविधियों में शामिल होने के लिये प्रेरित करना था।
- उन्होंने लंदन में **भारतीय छात्रों** के लिये **छात्रावास** और **बैठक-स्थल** के रूप में **'इंडिया हाउस'** की स्थापना की।
- उन्होंने 'द इंडियन सोशियोलॉजिस्ट' नामक **पत्रिका** भी शुरू की, जिसका उद्देश्य युवा भारतीयों को **ब्रिटिश शासन** के विरुद्ध **क्रांतिकारी गतिविधियों** में शामिल होने के लिये प्रेरित करना था।
- वे बॉम्बे आर्य समाज के पहले **अध्यक्ष** थे और वीर सावरकर से प्रभावित थे।
- **ब्रिटिश आलोचना** के प्रत्युत्तर में वे इंग्लैंड से पेरिस चले गए और तत्पश्चात् प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान **जिनेवा** में स्थायी रूप से बस गए, जहाँ **30 मार्च, 1930 को** उनका निधन को गया।
- उन्होंने इच्छा व्यक्त की थी कि उनकी **अस्थियाँ स्वतंत्र भारत** में लाई जाएँ, यह इच्छा **अगस्त** 2003 में **गुजरात के** तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पूरी की गई।
- उनकी स्मृति में **'क्रांति तीर्थ'** नामक **स्मारक** का निर्माण मांडवी के निकट किया गया, जिसका **उद्घाटन वर्ष** 2010 में किया गया।

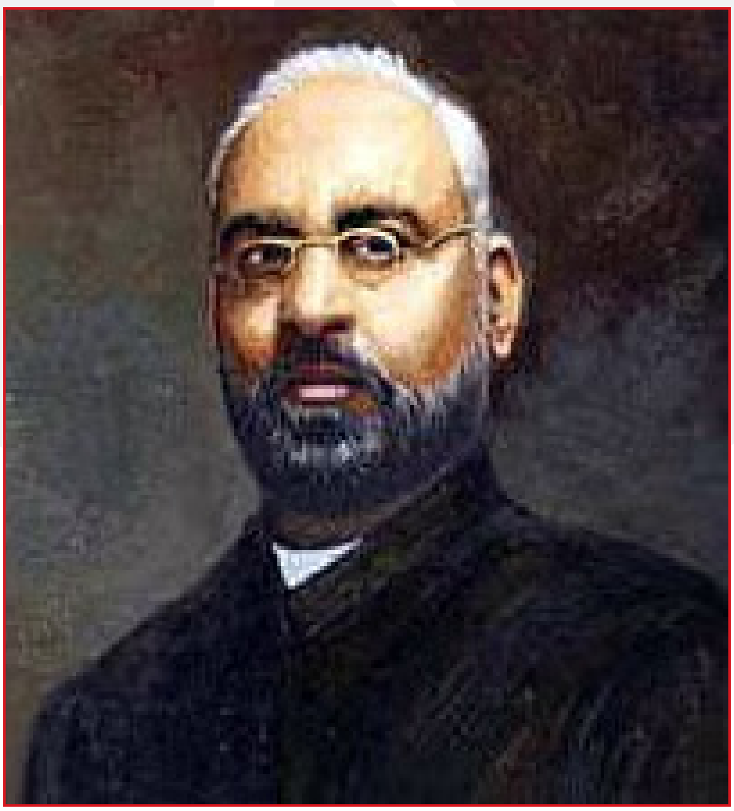

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

विश्व कपास दिवस 2025

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह और पबित्रा मार्गेरिटा ने **7 अक्तूबर** को नई दिल्ली में विश्व कपास दिवस **2025 समारोह में भाग लिया।**

- यह कार्यक्रम **वस्त्र मंत्रालय** तथा **भारतीय वस्त्र उद्योग परिसंघ (CITI)** द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था, जिसका विषय था– '**कपास 2040: प्रौद्योगिकी, जलवायु और प्रतिस्पर्द्धात्मकता**'।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:**
  - विश्व कपास दिवस की **स्थापना वर्ष** 2019 में की गई थी, जब **उप-सहारा अफ्रीका** के चार कपास उत्पादक देशों (**बेनीन, बुर्किना फासो, चाड** और **माली**), जिन्हें सामूहिक रूप से **"कॉटन फोर"** (Cotton Four) कहा जाता है, ने **7 अक्तूबर** को विश्व व्यापार संगठन (WTO) को यह दिवस मनाने का प्रस्ताव दिया था।
- **उद्देश्य:**
  - इस दिवस का उद्देश्य अल्प विकसित देशों के कपास और कपास से संबंधित उत्पादों के लिये **वैश्विक बाज़ार तक पहुँच** प्रदान करने की आवश्यकता के प्रति **जागरूकता उत्पन्न करना** है।
  - साथ ही यह **सतत् व्यापार नीतियों** को बढ़ावा देने और विकासशील देशों को **कपास मूल्य श्रृंखला** के प्रत्येक चरण से **अधिक लाभ प्राप्त करने** में सक्षम बनाना है।
- **कपास से संबंधित तथ्य:**
  - शीर्ष पाँच कपास उत्पादक देश **चीन, भारत, ब्राज़ील, संयुक्त राज्य अमेरिका और पाकिस्तान हैं,** जिनकी कुल मिलाकर वैश्विक उत्पादन में **तीन-चौथाई** से अधिक हिस्सेदारी है।
    - **भारत विश्व में कपास का सबसे बड़ा उत्पादक है,** जो कुल वैश्विक कपास उत्पादन **का 23% है।**
  - कपास से विश्व में लगभग **2.4 करोड़ उत्पादकों को आजीविका मिलती है तथा** 10 करोड़ से अधिक परिवारों को लाभ मिलता है।
  - **कपास** विश्व में **पॉलिएस्टर के बाद दूसरा सबसे अधिक प्रयोग किया जाने वाला रेशा** है, जो **कुल रेशा मांग का लगभग 20%** है।
  - लगभग **80% कपास का उपयोग परिधानों में किया जाता है,** शेष कपास का उपयोग घरेलू वस्त्रों और औद्योगिक उत्पादों में किया जाता है।
- **भारत में नियंत्रण प्रणाली:**
  - **भारतीय कपास निगम** की स्थापना **जुलाई** 1970 में **वस्त्र मंत्रालय** के अधीन की गई थी।
  - इसका उद्देश्य **मूल्य समर्थन उपायों के माध्यम से कपास के मूल्य स्थिरीकरण** को सुनिश्चित करना है।
  - इसके अतिरिक्त, यह निगम **घरेलू वस्त्र उद्योग** का **व्यावसायिक खरीद परिचालन के माध्यम से समर्थन** करता है, विशेष रूप से कम उत्पादन वाले मौसम के दौरान।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

विश्व पर्यावास दिवस

चर्चा में क्यों ?

आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय (MoHUA) ने **विज्ञान भवन, नई दिल्ली** में **"संकट के लिये शहरी समाधान"** विषय के साथ विश्व पर्यावास दिवस 2025 मनाया।

- इस कार्यक्रम में जलवायु परिवर्तन, प्रवासन और **तीव्र** शहरीकरण जैसी चुनौतियों से निपटने हेतु **शहरों को अधिक लचीला, समावेशी** तथा **सतत् बनाने** के महत्त्व पर प्रकाश डाला गया।

मुख्य बिंदु

- **पृष्ठभूमि:**
  - वर्ष 1985 में संयुक्त राष्ट्र ने अक्तूबर के पहले सोमवार को **विश्व पर्यावास दिवस** के रूप में घोषित किया।
  - यह दिवस पहली बार वर्ष **1986 में *"आश्रय मेरा अधिकार है"*** थीम के साथ मनाया गया था और **नैरोबी** इसका मेज़बान शहर था।
- **उद्देश्य:**
  - यह दिवस **आवास की स्थिति** पर विचार करने तथा सभी व्यक्तियों के लिये **पर्याप्त आश्रय** तक पहुँच के **मौलिक अधिकार** पर ज़ोर देने के लिये मनाया जाता है।
- **विषय 2025:**
  - 6 अक्तूबर को मनाए गए **विश्व पर्यावास दिवस 2025** का विषय **"शहरी संकट प्रतिक्रिया"** था।
  - यह **जलवायु परिवर्तन और संघर्षों** जैसी चुनौतियों से उत्पन्न **शहरी असमानता** को संबोधित करने तथा **प्रभावी संकट प्रतिक्रिया उपकरणों और दृष्टिकोणों** को बढ़ावा देने पर केंद्रित है।

स्क्रॉल ऑफ ऑनर पुरस्कार

- संयुक्त राष्ट्र मानव पर्यावास कार्यक्रम (UN-Habitat) द्वारा वर्ष 1989 में शुरू किया गया **स्क्रॉल ऑफ ऑनर अवार्ड** मानव बस्तियों के क्षेत्र में **विश्व का सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार** है।
- यह पुरस्कार निम्नलिखित क्षेत्रों में **असाधारण योगदान** को मान्यता देता है:
  - **आश्रय प्रावधान:** पर्याप्त और सुलभ आवास।
  - **निराश्रित लोगों की दुर्दशा** पर प्रकाश डालना।
  - **संघर्षोत्तर पुनर्निर्माण** में नेतृत्व।
  - **शहरी जीवन की गुणवत्ता** और मानव बस्तियों में सुधार करना।

93वाँ वायुसेना दिवस

चर्चा में क्यों ?

एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने 93वें वायुसेना दिवस पर राष्ट्र को शुभकामनाएँ दीं और उन **साहसी वायु सैनिकों** को सम्मानित किया, जिन्होंने **त्याग, समर्पण और कौशल** के साथ देश **की रक्षा** की।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025
SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस
SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स
SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप
SCAN ME

मुख्य बिंदु

- **परिचय:**
  - यह दिवस 8 **अक्तूबर,** 1932 को **भारतीय वायुसेना (IAF) की स्थापना** के सम्मान में प्रतिवर्ष 8 अक्तूबर को मनाया **जाता है।**
  - भारतीय वायुसेना की पहली परिचालन उड़ान **1 अप्रैल,** 1933 को हुई, जिसने दशकों से भारत की रक्षा को आकार देने वाली वायु शक्ति की नींव रखी।
  - सीमित कार्मिक और विमानों वाली छोटी सेना से भारतीय वायुसेना अब **विश्व की चौथी सबसे बड़ी वायुसेना** बन गई है, जो विभिन्न **सैन्य और मानवीय मिशनों** में सक्रिय है।
- **आदर्श वाक्य:**
  - भारतीय वायुसेना का आदर्श वाक्य '**नभः *स्पर्शं दीप्तम्***' है, ***जो* भगवद्गीता** के ग्यारहवें अध्याय से लिया गया है।
- **विषय:**
  - इस वर्ष का विषय "**ऑपरेशन सिंदूर में बल का योगदान**" है।
- **समारोह:**
  - इस वर्ष के समारोह में **राफेल, Su-30MKI, C-17 ग्लोबमास्टर, अपाचे गार्जियन** और अन्य विमानों के साथ भव्य फ्लाईपास्ट, साथ ही परेड, एयर शो तथा भारतीय वायुसेना की तकनीकी प्रगति एवं परिचालन तत्परता को प्रदर्शित करने वाली प्रदर्शनियाँ शामिल थीं, साथ ही प्रतिष्ठित **मिग-21** को विदाई दी गई।
  - यह परेड उत्तर प्रदेश के हिंडन एयर बेस पर आयोजित की गई।
  - **हेरिटेज फ्लाइट के भाग के रूप में** पुनर्स्थापित **हिंदुस्तान ट्रेनर-2 (HT-2) विमान,** जो कि पहला स्वदेशी निर्मित भारतीय वायुसेना का विमान है, को भी पहली बार प्रदर्शित किया गया।
  - पारंपरिक फ्लाईपास्ट और **हवाई प्रदर्शन 9 नवंबर को गुवाहाटी में आयोजित किया जाएगा,** जो इस वर्ष के वायुसेना **दिवस समारोह का समापन होगा।**

70वें फिल्मफेयर पुरस्कार 2025

चर्चा में क्यों ?

70वें हुंडई फिल्मफेयर पुरस्कार 2025, जो 11 **अक्तूबर,** 2025 को EKA एरेना, अहमदाबाद में **गुजरात पर्यटन** के सहयोग से आयोजित किये गए, हिंदी सिनेमा में उत्कृष्टता का एक विशिष्ट उत्सव था।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

- **परिचय:** यह समारोह **शाहरुख खान** और **करण जौहर** द्वारा होस्ट किया गया, जो 18 वर्षों के बाद फिल्मफेयर मंच पर फिर से मिले। यह आयोजन चमक-दमक और यादों का संगम था, जो सिनेमा की सात दशकों की उत्कृष्टता का उत्सव मनाने के लिये आयोजित किया गया।
- **उद्देश्य: वर्ष 2024** की **सर्वश्रेष्ठ फिल्मों** का उत्सव मनाना और कई श्रेणियों में उत्कृष्टता को सम्मानित करना।
- **मुख्य जीत: 'लापता लेडीज़'** ने **रात की सबसे बड़ी जीत** दर्ज की, **13 ट्रॉफियाँ** जीतीं, जिसमें **सर्वश्रेष्ठ फिल्म** (Best Film) शामिल है और इस तरह **'गली बॉय' (2019)** का रिकॉर्ड बनाए रखा, जिसमें रणवीर सिंह तथा आलिया भट्ट थे।
    - अभिनय श्रेणियों में अभिषेक बच्चन और कार्तिक आर्यन ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये **सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (पुरुष)** पुरस्कार साझा किया, जबकि **आलिया भट्ट** ने अपने शानदार रोल के लिये **सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री** ट्रॉफी जीती।

टॉप इंडिविजुअल विनर्स		
नाम	**पुरस्कार/अवार्ड्स**	**फिल्म/फिल्में**
किरण राव	सर्वश्रेष्ठ निर्देशक	लापता लेडीज़
शूजित सरकार	क्रिटिक्स अवार्ड फॉर बेस्ट फिल्म	आई वांट टू टॉक
स्नेहा देसाई	बेस्ट स्क्रीनप्ले एंड बेस्ट डायलॉग	लापता लेडीज़
राम संपथ	बेस्ट म्यूज़िक एल्बम एंड बेस्ट बैकग्राउंड स्कोर	लापता लेडीज़
अचिंत ठक्कर	RD बर्मन अवार्ड (संगीत में उभरती प्रतिभा)	जिगरा, मिस्टर एंड मिसेज़ माही
ज़ीनत अमान, श्याम बेनेगल (पोस्टह्यूमसली)	लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड	भारतीय सिनेमा में अतुलनीय योगदान के लिये सम्मानित

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस

चर्चा में क्यों?

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस (World Mental Health Day) 2025 के अवसर पर **केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा** ने राष्ट्रीय टेली-मेंटल हेल्थ कार्यक्रम (Tele-MANAS) के तहत कई नई सुविधाओं की शुरुआत की।

मुख्य बिंदु

- **ऐप सुधार: Tele-MANAS मोबाइल ऐप** उपयोगकर्त्ताओं को कहीं भी और कभी भी मानसिक स्वास्थ्य सहायता तक पहुँचने की सुविधा प्रदान करता है, जिससे भारत के **डिजिटल स्वास्थ्य ढाँचे** को सुदृढ़ किया जाता है।
    - ऐप में अब **बहुभाषी इंटरफेस, चैटबोट, पहुँच सुधार** और **आपातकालीन प्रतिक्रिया मॉड्यूल** जैसी सुविधाएँ शामिल हैं।
    - ऐप **10 क्षेत्रीय भाषाओं** (असमिया, बांग्ला, गुजराती, कन्नड़, मलयालम, मराठी, तमिल, तेलुगु, ओड़िया और पंजाबी) में उपलब्ध है, इसके अलावा **अंग्रेज़ी** तथा **हिंदी** में भी उपलब्ध है।
    - **सुलभता सुविधाएँ** इसे **दिव्यांग व्यक्तियों**, विशेषकर दृष्टिहीन लोगों के लिये उपयोगकर्त्ता-अनुकूल बनाती हैं।
    - **चैटबोट "अस्मी" (Asmi)** उपयोगकर्त्ताओं को संवाद करने, जानकारी प्राप्त करने और मानसिक स्वास्थ्य सहायता तक पहुँचने की सुविधा देता है।
    - **आपातकालीन मॉड्यूल** संकट के समय त्वरित मार्गदर्शन और सहायता सुनिश्चित करता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **मेंटल हेल्थ एंबेसडर:** मंत्री ने घोषणा की कि **दीपिका पादुकोण** को **मेंटल हेल्थ एंबेसडर** के रूप में नामित किया गया है, ताकि मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच के संबंध में जागरूकता बढ़ाई जा सके।
- **विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस:**
  - **परिचय:** विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस, जिसे **10 अक्तूबर** को मनाया जाता है, का उद्देश्य **मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों के प्रति वैश्विक जागरूकता बढ़ाना, संवाद को प्रोत्साहित करना** और **सभी के लिये मानसिक स्वास्थ्य देखभाल सुलभ बनाने के प्रयासों** को सक्रिय करना है।
  - **थीम:** 2025 की थीम, **"सेवाओं तक पहुँच- आपदाओं और आपात स्थितियों में मानसिक स्वास्थ्य"** (Access to Services - Mental Health in Catastrophes and Emergencies), यह दर्शाती है कि प्राकृतिक आपदाओं, **सशस्त्र संघर्षों और महामारी जैसी संकट की स्थितियों में मानसिक स्वास्थ्य देखभाल सुनिश्चित करना** कितना महत्त्वपूर्ण है।

विश्व मानक दिवस

चर्चा में क्यों?

उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री प्रह्लाद जोशी ने 14 अक्तूबर, 2025 को **विश्व मानक दिवस (World Standards Day)** कार्यक्रम का नेतृत्व किया।

- यह कार्यक्रम **भारतीय मानक ब्यूरो (BIS)** द्वारा आयोजित किया गया था, जो उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत आता है।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:** राष्ट्रीय मानकीकरण प्रशिक्षण संस्थान (NITS) में आयोजित इस समारोह में भारत का **राष्ट्रीय लाइटिंग कोड 2025 (National Lighting Code of India 2025)** जारी किया गया, इसके साथ ही लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (LMS) तथा **ऑनलाइन स्टैंडर्ड डेवलपमेंट (OSD) मॉड्यूल** को भी **BIS मानक पोर्टल** पर लॉन्च किया गया।
- **विश्व मानक दिवस:**
  - **परिचय:** विश्व मानक दिवस पहली बार वर्ष **1970** में मनाया गया था, जिसका उद्देश्य सुरक्षा, गुणवत्ता और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को प्रोत्साहित करने में मानकों (Standards) के महत्त्व के प्रति वैश्विक जागरूकता बढ़ाना था।
    - यह दिवस **अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन (ISO)** ने **अंतर्राष्ट्रीय इलेक्ट्रोटेक्निकल कमीशन (IEC)** और **अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (ITU)** के सहयोग से स्थापित किया था, ताकि वैश्विक स्तर पर मानक विकसित करने वाले समुदाय तथा उनके योगदान का सम्मान किया जा सके।
  - **उद्देश्य:** विश्व मानक दिवस उन मानकों की महत्त्वपूर्ण भूमिका का उत्सव मनाता है, जो **गुणवत्ता, सुरक्षा और सततता** सुनिश्चित करते हैं। यह उन विशेषज्ञों-वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, नीति निर्माताओं और नवप्रवर्तकों के सहयोगात्मक प्रयासों को मान्यता प्रदान करता है, जो इन ढाँचों को बनाने के लिये कार्य करते हैं।
  - **थीम: वर्ष 2025 की थीम, "A Shared Vision for a Better World: Standards for Sustainable Development Goals" अर्थात् एक बेहतर विश्व के लिये साझा दृष्टि: सतत् विकास लक्ष्यों हेतु मानक** अंतर्राष्ट्रीय मानकों की उस भूमिका पर ज़ोर देती है, जो संयुक्त राष्ट्र **सतत् विकास लक्ष्यों (SDG)** को प्राप्त करने के लिये वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देती है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

भारतीय मानक ब्यूरो (BIS)

- BIS भारत का **वैधानिक राष्ट्रीय मानक संस्थान** है, जिसे वस्तुओं के मानकीकरण, अंकन और गुणवत्ता प्रमाणन की गतिविधियों के समन्वित विकास के लिये BIS अधिनियम, 2016 के तहत स्थापित किया गया।
  - इसकी स्थापना प्रारंभ में **भारतीय मानक संस्था (ISI)** के रूप में हुई थी, जो **6 जनवरी, 1947** को अस्तित्व में आई।
- इसका मुख्यालय **नई दिल्ली** में स्थित है।
- BIS विभिन्न योजनाओं का संचालन करता है, जैसे कि उत्पाद प्रमाणन (ISI मार्क), सोने और चांदी के आभूषणों की **हॉलमार्किंग,** ईको मार्क योजना (पर्यावरण अनुकूल उत्पादों के लेबलिंग के लिये)।

भारत-दक्षिण कोरिया नौसैनिक द्विपक्षीय अभ्यास (IN-RoKN)

चर्चा में क्यों ?

भारत-दक्षिण कोरिया द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यास (IN-RoKN) का पहला संस्करण 13 अक्तूबर, 2025 को दक्षिण कोरिया के बुसान नेवल बेस में शुरू हुआ, जो भारतीय नौसेना (IN) और कोरिया गणराज्य नौसेना (RoKN) के बीच बढ़ती रणनीतिक साझेदारी में एक मील का पत्थर है।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:** पहला IN-RoKN अभ्यास दो अलग-अलग चरणों- **हार्बर फेज़ और सी फेज़** में आयोजित किया गया है, जिसका उद्देश्य दोनों समुद्री सेनाओं के बीच अंतर-संचालनीयता (इंटरऑपरेबिलिटी), **आपसी समझ तथा विश्वास** को बढ़ाना है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **हार्बर फेज़:** इस चरण में, दोनों देशों के नौसैनिक अधिकारी क्रॉस-डेक विज़िट, पेशेवर अनुभवों का आदान-प्रदान, सर्वोत्तम प्रथाओं का साझाकरण, खेलकूद गतिविधियों और क्रॉस-ट्रेनिंग सत्रों में शामिल होंगे। **INS सह्याद्रि के कमांडिंग ऑफिसर** भी **वरिष्ठ RoKN अधिकारियों** तथा स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों से शिष्टाचार करेंगे।
- **सी फेज़:** समुद्री चरण में **INS सह्याद्रि और ROKS Gyeongnam** के बीच जटिल संयुक्त अभ्यास एवं संचालन संबंधी अभ्यास होंगे, जिनका उद्देश्य सामरिक समन्वय तथा परिचालन सहयोग को सुदृढ़ करना है।

- **INS सह्याद्रि: INS सह्याद्रि** एक स्वदेशी रूप से डिज़ाइन और निर्मित **शिवालिक-क्लास स्टील्थ फ्रिगेट** है। इसे वर्ष 2012 में कमीशन किया गया तथा यह **ईस्टर्न नेवल कमांड के ईस्टर्न फ्लीट** के अधीन सेवाएँ प्रदान करता है, जिसका मुख्यालय विशाखापट्टनम में स्थित है।
  - यह भारत की **'आत्मनिर्भर भारत'** (Self-Reliant India) पहल और उसकी स्वदेशी शिपबिल्डिंग क्षमताओं का प्रतीक है।
- **रणनीतिक महत्त्व:** जैसे-जैसे इंडो-पैसिफिक क्षेत्र का भू-राजनीतिक महत्त्व बढ़ रहा है, भारत और कोरिया गणराज्य ने साझा हितों, **आपसी सम्मान तथा सामान्य मूल्यों पर आधारित सुदृढ़ समुद्री साझेदारी** विकसित करने की अपनी प्रतिबद्धता की दोबारा पुष्टि की है।

विश्व खाद्य दिवस 2025

चर्चा में क्यों ?

विश्व खाद्य दिवस प्रतिवर्ष **16 अक्तूबर** को मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य खाद्य सुरक्षा, पोषण और संधारणीय कृषि के संबंध में जागरूकता बढ़ाना है।

मुख्य बिंदु

- **परिचय: विश्व खाद्य दिवस** संयुक्त राष्ट्र (UN) द्वारा **16 अक्तूबर, 1945** को स्थापित खाद्य और कृषि संगठन (FAO) की स्थापना की स्मृति में मनाया जाता है।
  - विश्व खाद्य दिवस 1979 में FAO की 20वीं महासभा के दौरान अस्तित्व में आया और 1984 में इसे संयुक्त राष्ट्र महासभा ने स्वीकृति प्रदान की।
  - **भोजन का अधिकार** 1948 के सार्वभौमिक मानवाधिकार घोषणा-पत्र (Universal Declaration of Human Rights) द्वारा मान्यता प्राप्त है।
- **थीम:** वर्ष 2025 के लिये थीम है **"बेहतर भोजन और बेहतर भविष्य साथ-साथ"**, जो एग्रीफूड सिस्टम को बदलने में वैश्विक सहयोग की शक्ति को उजागर करती है।
- **भारत की स्थिति:** पिछले दशक में भारत का अन्न उत्पादन लगभग 90 मिलियन मीट्रिक टन बढ़ा है, जो दृढ़ कृषि विकास को दर्शाता है।
  - फल और सब्ज़ियों का उत्पादन भी महत्त्वपूर्ण रूप से बढ़ा है तथा इसी अवधि में यह 64 मिलियन मीट्रिक टन से अधिक हो गया।
  - **भारत** अब दूध और बाजरे (मिलेट्स) के उत्पादन में विश्व में **प्रथम स्थान** पर है, जबकि मछली, फल तथा सब्ज़ियों के उत्पादन में दूसरा स्थान रखता है। वर्ष 2014 के बाद से शहद एवं अंडे का उत्पादन दोगुना हो गया है।
- **भारत की पहलें:** राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, पीएम पोषण (POSHAN) योजना, अंत्योदय अन्न योजना, राइस फोर्टिफिकेशन और प्राइस स्टेबिलाइज़ेशन फंड (PSF) जैसी प्रमुख पहलें भारत की खाद्य तथा पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ कर रही हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की जयंती

चर्चा में क्यों?

15 अक्तूबर, 2025 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की जयंती पर राष्ट्रपति भवन में उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की।

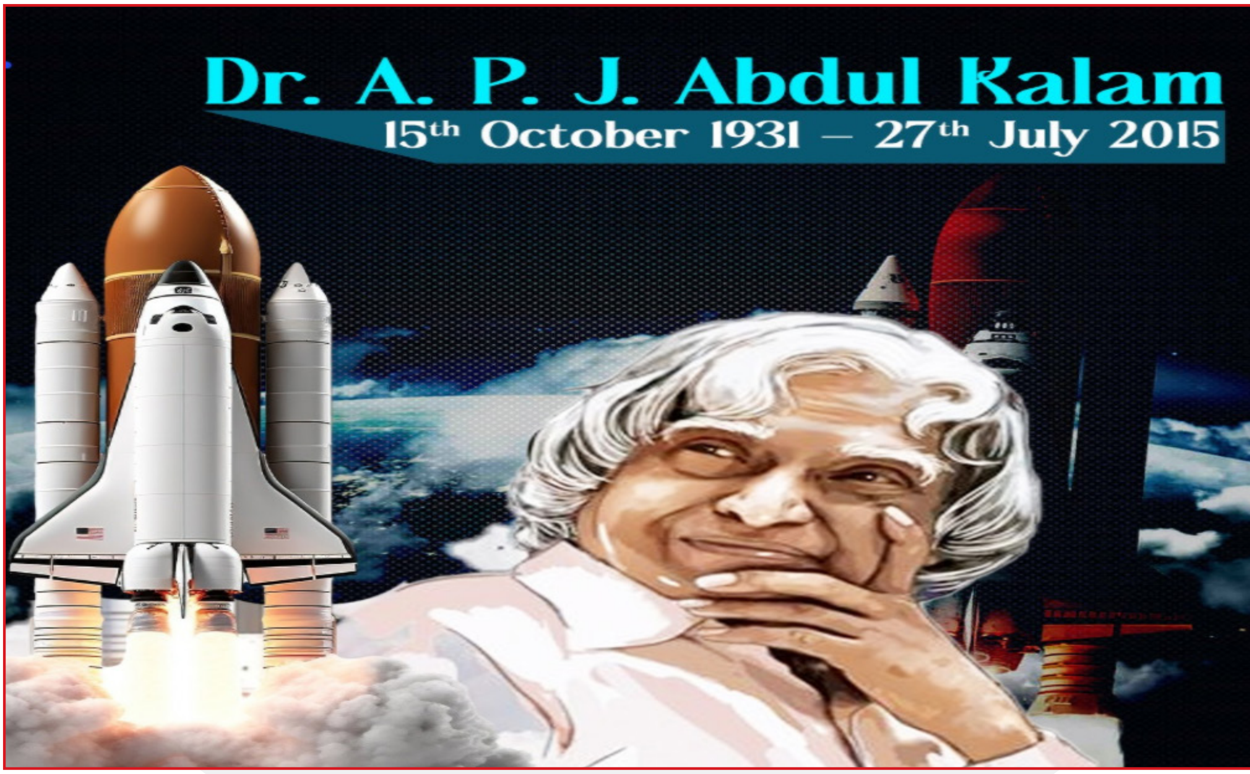

मुख्य बिंदु

- **परिचय: डॉ. अवुल पाकिर जैनुलआबदीन अब्दुल कलाम** का जन्म **15 अक्तूबर, 1931** को तमिलनाडु के रामेश्वरम में हुआ था। उन्होंने मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से एरोनॉटिकल इंजीनियरिंग में विशेषज्ञता प्राप्त की थी।
- **अंतरिक्ष अनुसंधान:** वे भारत के **पहले स्वदेशी** उपग्रह प्रक्षेपण यान (SLV-III) के परियोजना निदेशक रहे, जिसने जुलाई, 1980 में **रोहिणी उपग्रह** को पृथ्वी की कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित किया, जिससे भारत विशिष्ट "स्पेस क्लब" का सदस्य बना।
  - उन्होंने इसरो के प्रक्षेपण यान कार्यक्रम के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई, विशेष रूप से PSLV **कॉन्फिगरेशन** के निर्माण में, जो भारत की अंतरिक्ष अन्वेषण क्षमताओं की आधारशिला बन गया।
- **रक्षा विकास: एकीकृत निर्देशित मिसाइल विकास कार्यक्रम** (IGMDP) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में, उन्होंने AGNI और PRITHVI जैसी प्रमुख मिसाइल प्रणालियों के विकास तथा संचालन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- जुलाई, 1992 से दिसंबर, 1999 तक रक्षा मंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार और रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग (DRDO) के सचिव के रूप में, डॉ. कलाम ने भारत के मिसाइल प्रणालियों के सशस्त्रीकरण का नेतृत्व किया तथा सफल पोखरण-II **परमाणु परीक्षणों** की देख-रेख की, जिससे भारत एक परमाणु हथियार संपन्न राष्ट्र बना।
- उनका योगदान रक्षा प्रणालियों में आत्मनिर्भरता तक विस्तृत था, जिसमें लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (LCA) के विकास में उनकी अहम भूमिका शामिल है।

- **विकसित भारत का दृष्टिकोण:** उनका नेतृत्व **टेक्नोलॉजी इंफॉर्मेशन, फोरकास्टिंग एंड असेसमेंट काउंसिल** (TIFAC) तक विस्तृत था, जहाँ उन्होंने अध्यक्ष के रूप में **टेक्नोलॉजी विज़न 2020** परियोजना का नेतृत्व किया।
- **पुस्तकें:** उनकी रचनाएँ जैसे- ***"विंग्स ऑफ फायर", "इंडिया 2020 - ए विज़न फॉर द न्यू मिलेनियम", "माय जर्नी"*** और ***"इग्नाइटेड माइंड्स - अनलीशिंग द पावर विदिन इंडिया"***- अनेक भाषाओं में अनुदित की गई हैं, जो आज भी विश्वभर में लोकप्रिय हैं।
- **सम्मान और पुरस्कार:** उन्हें 30 मानद डॉक्टरेट की उपाधियाँ प्राप्त हुईं तथा भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों जैसे- **पद्म भूषण** (1981), **पद्म विभूषण** (1990) और भारत रत्न (1997) से सम्मानित किया गया।
  - **भारत के राष्ट्रपति:** 25 जुलाई, 2002 को डॉ. कलाम भारत के 11वें राष्ट्रपति बने, जहाँ उन्होंने विकसित भारत के अपने दृष्टिकोण को आगे बढ़ाया। उनकी राष्ट्रपति अवधि का प्रमुख लक्ष्य था- भारत को वर्ष 2020 तक एक वैश्विक नेता के रूप में परिवर्तित करना। उन्होंने वैज्ञानिक उत्कृष्टता, राष्ट्रीय गौरव और युवा सशक्तीकरण की एक अमिट विरासत स्थापित की।

विशाखापत्तनम में गूगल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हब

चर्चा में क्यों?

गूगल ने आंध्र प्रदेश के **विशाखापत्तनम** में अत्याधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) हब स्थापित करने के लिये वर्ष 2026 से 2030 तक अगले पाँच वर्षों में **15 अरब डॉलर** निवेश करने की योजना की घोषणा की है।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:** इस परियोजना की घोषणा नई दिल्ली में आयोजित **'भारत AI शक्ति'** कार्यक्रम के दौरान की गई, जहाँ **गूगल के CEO सुंदर पिचाई** ने बताया कि उन्होंने इस परियोजना पर **प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी** से चर्चा की थी।
- **सबसे बड़ा AI हब: विशाखापत्तनम** में बनने वाला नया डेटा सेंटर अमेरिका के बाहर **गूगल का सबसे बड़ा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) हब** होगा।
  - यह पहल गूगल की उस व्यापक रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत कंपनी इस वर्ष लगभग **85 अरब डॉलर** का निवेश करके अपने डेटा सेंटर नेटवर्क का विस्तार कर रही है, ताकि विश्वभर में बढ़ती AI सेवाओं की मांग को पूरा किया जा सके।
- **सेवाएँ:** गूगल AI हब पूरी तरह से AI समाधान प्रदान करेगा, जिसमें गूगल के स्वामित्व वाले टेंसर प्रोसेसिंग यूनिट्स (TPU) का उपयोग किया जाएगा, जो पारंपरिक चिप्स की तुलना में दोगुनी ऊर्जा-कुशल हैं।
  - यह हब डेटा को स्थानीय रूप से संग्रहित करेगा ताकि भारत की **सॉवरेन AI आवश्यकताओं** का पालन हो सके, साथ ही गूगल के उन्नत AI मॉडल जैसे- **जेमिनी (Gemini), इमैजिन (Imagine) और वीओ (Veo)** को भी तैनात किया जाएगा।
- **सहयोग:** इस महत्त्वाकांक्षी पहल का समर्थन करने के लिये **अडानी समूह** और **एयरटेल** ने गूगल के साथ साझेदारी की है। इसके अंतर्गत आवश्यक बुनियादी ढाँचे का निर्माण किया जाएगा, जिसमें एक **न्यू इंटरनेशनल सबसिया गेटवे** भी शामिल है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट:

समुद्र शक्ति का पाँचवाँ संस्करण

चर्चा में क्यों ?

भारतीय नौसेना 14 से 17 अक्तूबर तक **आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम** में इंडोनेशियाई नौसेना के साथ द्विपक्षीय समुद्री अभ्यास '**समुद्र शक्ति**' के पाँचवें संस्करण की मेज़बानी कर रही है।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:** इस संयुक्त अभ्यास का उद्देश्य समुद्र और तट दोनों पर पेशेवर तथा परिचालनिक गतिविधियों की एक शृंखला के माध्यम से दोनों देशों के बीच **अंतरसंचालन क्षमता (interoperability)** को बढ़ाना तथा **समुद्री सहयोग** को सुदृढ़ करना है।
- **भाग लेने वाली इकाइयाँ:**
  - **INS कवरत्ती:** भारतीय नौसेना के पूर्वी बेड़े की एक पनडुब्बी-रोधी युद्धक (Anti-Submarine Warfare) कॉर्वेट।
  - **KRI जॉन ली:** इंडोनेशियाई नौसेना की एक कॉर्वेट, जो एक एकीकृत हेलीकॉप्टर से सुसज्जित है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **हार्बर फेज़:** हार्बर चरण में गतिविधियाँ शामिल हैं जैसे- **क्रॉस-डेक दौरे, संयुक्त योग सत्र, मैत्रीपूर्ण खेल आयोजन** और **सब्जेक्ट मैटर एक्सपर्ट एक्सचेंज (SMEE) कार्यक्रम** के तहत पेशेवर आदान-प्रदान, जो दोनों देशों के नौसैनिक कर्मियों के बीच **पेशेवर संवाद तथा सौहार्द बढ़ाने** के उद्देश्य से आयोजित की जाती हैं।
- **सी चरण:** सी चरण में **जटिल और उच्च-गतिशीलता वाले समुद्री अभियान** होंगे, जिनका उद्देश्य दोनों नौसेनाओं के बीच **टैक्टिकल समन्वय (tactical coordination)** में सुधार करना है। इन अभियानों में हेलीकॉप्टर युद्धाभ्यास, **हवाई रक्षा अभ्यास (Air Defence Exercises),** हथियार फायरिंग ड्रिल्स और विजिट, बोर्ड, सर्च एंड सिज़र (VBSS) ऑपरेशन्स शामिल होंगे।
- **महत्त्व:** यह अभ्यास **इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में स्थिरता और शांति बनाए रखने** के प्रति दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता को उजागर करता है।
- भारत और इंडोनेशिया के बीच अन्य सैन्य अभ्यास: गरुड़ शक्ति, IND-INDO CORPAT

संयुक्त राष्ट्र सैनिक योगदानकर्त्ता देशों के (UNTCC) प्रमुखों का सम्मेलन 2025

चर्चा में क्यों ?

संयुक्त राष्ट्र सैनिक योगदानकर्त्ता देशों के (UNTCC) प्रमुखों का सम्मेलन 2025, जिसे भारतीय सेना ने 14 से 16 अक्तूबर, 2025 तक आयोजित किया, में **32 देशों के वरिष्ठ सैन्य नेताओं** को एकत्रित किया गया, जो वैश्विक संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना **अभियानों** में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

- **परिचय:** इस सम्मेलन में 32 देशों के वरिष्ठ सैन्य अधिकारी शामिल हैं, जिनमें अल्जीरिया, आर्मेनिया, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, ब्राज़ील, मिस्र, इथियोपिया, फ्राँस, घाना, भारत, इटली, केन्या, मलेशिया, नेपाल, नाइजीरिया, पोलैंड, रवांडा, श्रीलंका, तंज़ानिया, थाईलैंड, युगांडा, उरुग्वे और वियतनाम शामिल हैं।
    - इस कार्यक्रम में रक्षा प्रदर्शनियाँ भी शामिल हैं, जिनका उद्देश्य शांति स्थापना अभियानों के लिये साझा क्षमताओं का निर्माण करना है।
- **उद्देश्य:** UNTCC एक महत्त्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करता है, जिसका उद्देश्य परिचालनिक चुनौतियों, विकसित हो रहे खतरों, अंतर-संचालन क्षमता, निर्णय-निर्माण में समावेशिता और संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना को सुदृढ़ करने में प्रौद्योगिकी तथा प्रशिक्षण की भूमिका पर चर्चा करना है।
    - **भारत**, जो संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना में सबसे बड़े योगदानकर्त्ताओं में से एक है, ने **भविष्य के शांति स्थापना अभियानों के लिये सर्वोत्तम प्रथाओं पर चर्चा, ज्ञान साझा करने और आपसी समझ विकसित करने** के उद्देश्य से इस उच्च स्तरीय मंच का आयोजन किया है।
- **प्रौद्योगिकी प्रदर्शन:** प्रमुखों ने भारतीय सेना द्वारा एकीकृत, आधुनिक सैन्य प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन देखा, जिसमें विभिन्न स्वदेशी सैन्य उपकरणों को प्रदर्शित किया गया।
- **संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना के लिये 4C सूत्र:** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शांति स्थापना में उभरती चुनौतियों का समाधान करने हेतु ***परामर्श (Consultation), सहयोग (Cooperation), समन्वय (Coordination) और क्षमता निर्माण (Capacity Building)*** के मार्गदर्शक सिद्धांत का प्रस्ताव रखा, जिसे **4C सूत्र** कहा गया।
    - उन्होंने यह भी बताया कि **नई दिल्ली स्थित सेंटर फॉर UN पीसकीपिंग** ने 90 से अधिक देशों के प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया है, जिससे शांति सैनिकों के बीच **अंतरसंचालन क्षमता (Interoperability)** के विकास में महत्त्वपूर्ण योगदान मिला है।

संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना (UNPK)

- पहला UNPK मिशन, **संयुक्त राष्ट्र युद्धविराम पर्यवेक्षण संगठन (UNTSO)**, मई 1948 में स्थापित किया गया था ताकि इज़रायल और उसके अरब पड़ोसियों के बीच **आर्मिस्टिस समझौते** की निगरानी एक छोटे सैन्य पर्यवेक्षक दल के माध्यम से की जा सके।
- उन्हें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा **युद्धविराम और शांति समझौतों का समर्थन करने** के लिये तैनात किया जाता है तथा इन्हें **ब्लू हेलमेट्स** कहा जाता है क्योंकि हल्का नीला रंग **UN ध्वज पर शांति का प्रतीक** है।
- वर्तमान में, 119 देशों के 61,000 से अधिक सैन्य और पुलिस शांति सैनिक तथा 7,000 से अधिक नागरिक कर्मी 11 संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना मिशनों में सेवा प्रदान कर रहे हैं।

पिंकी आनंद बहरीन अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक न्यायालय की न्यायाधीश नियुक्त

चर्चा में क्यों?

डॉ. पिंकी आनंद, वरिष्ठ अधिवक्ता और **भारत की पूर्व** एडिशनल सॉलिसिटर जनरल**,** को **बहरीन अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक न्यायालय (BICC)** में न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया है, जो कि वर्ष 2024 में **पूर्व** सर्वोच्च न्यायालय **के न्यायाधीश संजय किशन कौल** की उसी न्यायालय में नियुक्ति के बाद हुआ है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

डॉ. पिंकी आनंद

- **पृष्ठभूमि: हार्वर्ड लॉ स्कूल की स्नातक और इन्लैक्स स्कॉलर, डॉ. पिंकी आनंद के पास 40 वर्षों से अधिक का विधिक अनुभव** है। उन्होंने भारत में **एडिशनल सॉलिसिटर जनरल (2014-2020)** के रूप में कार्य किया और उन्हें संवैधानिक कानून, सिविल मध्यस्थता तथा आपराधिक कानून में विशेषज्ञता प्राप्त है।
- **अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधित्व:** उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व विभिन्न **राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों** पर किया है, जिनमें **ब्रिक्स (BRICS)** शामिल हैं; **ब्रिक्स लीगल फोरम** की संस्थापक सदस्य भी हैं।
- **सम्मान:** उन्हें फ्राँस के राष्ट्रपति द्वारा **फ्रेंच नेशनल ऑर्डर ऑफ मेरिट** से सम्मानित किया गया।

बहरीन अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक न्यायालय (BICC)

- **बहरीन अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक न्यायालय (Bahrain International Commercial Court- BICC)** की स्थापना जटिल सीमा पार वाणिज्यिक विवादों को निपटाने के लिये की गई है। यह न्यायालय **5 नवंबर, 2025 को न्यायाधीशों के शपथ ग्रहण समारोह** के साथ अपना कार्य आरंभ करेगा, जिसमें **बहरीन के राजपरिवार और प्रधानमंत्री** की उपस्थिति होगी।
- BICC की अध्यक्षता प्रसिद्ध मध्यस्थता विशेषज्ञ **जान पॉल्सन** कर रहे हैं और इसमें 17 न्यायाधीश शामिल हैं- जिनमें 7 महिलाएँ एवं 10 पुरुष हैं, जो विश्व के **विभिन्न न्यायिक** क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं।
- यह न्यायालय मार्च, 2024 में **बहरीन और सिंगापुर के बीच हुई एक संधि** के तहत स्थापित किया गया है तथा इसका ढाँचा **सिंगापुर अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक न्यायालय (Singapore International Commercial Court- SICC)** के मॉडल पर आधारित है ताकि वाणिज्यिक विवाद समाधान में अंतर्राष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं को प्रोत्साहित किया जा सके।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

नीरज चोपड़ा को मानद लेफ्टिनेंट कर्नल की उपाधि

चर्चा में क्यों?

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा को राष्ट्र के प्रति उनके उत्कृष्ट योगदान और उपलब्धियों के सम्मान में **प्रादेशिक सेना** (Territorial Army) में **मानद लेफ्टिनेंट कर्नल की उपाधि प्रदान** की गई है।

- **पिपिंग समारोह नई दिल्ली के साउथ ब्लॉक** में आयोजित किया गया, जहाँ **रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह** ने **सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी** की उपस्थिति में औपचारिक रूप से यह **रैंक प्रतीक/चिह्न** (Rank Insignia) प्रदान किया।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:** 24 दिसंबर, 1997 को हरियाणा के पानीपत ज़िले के खंडरा गाँव में जन्मे नीरज चोपड़ा एक कृषक परिवार से संबंध रखते हैं और भारत के सबसे प्रतिष्ठित खिलाड़ियों में से एक बन चुके हैं।
- **भारतीय सेना में यात्रा:**
  - नीरज चोपड़ा अगस्त, 2016 में भारतीय सेना में **राजपूताना राइफल्स रेजिमेंट** में **नायब सूबेदार** (Naib Subedar) के रूप में शामिल हुए थे तथा **वर्ष 2021** में उन्हें एथलेटिक्स में उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिये **सूबेदार (Subedar) के पद पर पदोन्नत** किया गया।
  - **वर्ष 2022** में, ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें **सूबेदार मेजर (Subedar Major)** पद पर पदोन्नत किया गया और भारतीय सेना के सर्वोच्च शांतिकालीन सम्मान '**परम विशिष्ट सेवा पदक**' से सम्मानित किया गया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **अप्रैल, 2025 में,** राष्ट्रपति **द्रौपदी मुर्मू** ने उन्हें राष्ट्रसेवा और उत्कृष्ट खेल उपलब्धियों की मान्यता में **मानद लेफ्टिनेंट कर्नल (Honorary Lieutenant Colonel) की उपाधि प्रदान** की।

- **खेल में प्राप्त उपलब्धियाँ:**
  - **टोक्यो ओलंपिक 2020:** ट्रैक एंड फील्ड में **ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट** बनकर इतिहास रचा।
  - **विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2023: स्वर्ण पदक जीता,** जिससे वैश्विक एथलेटिक्स में भारत की उपस्थिति और दृढ़ हुई।
  - **पेरिस ओलंपिक 2024: रजत पदक** प्राप्त किया, जिससे उनका निरंतर उच्च प्रदर्शन स्तर बना रहा।
  - **एशियाई खेल और राष्ट्रमंडल खेल:** कई **स्वर्ण पदक** जीतकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भाला फेंक स्पर्द्धा में अपनी प्रतिष्ठा स्थापित की।
  - **डायमंड लीग एवं अन्य प्रतियोगिताएँ:** लगातार शीर्ष स्थान प्राप्त किया तथा **वर्ष 2025 में 90.23 मीटर** का **व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो (Personal Best Throw)** कर भारतीय एथलेटिक्स में एक नया रिकॉर्ड बनाया।
- **पुरस्कार एवं सम्मान:**
  - विशिष्ट सेवा पदक (2023)
  - परम विशिष्ट सेवा पदक (2022)
  - पद्मश्री (2022)
  - मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार (2021)
  - अर्जुन पुरस्कार (2018)

अंतर्राष्ट्रीय स्नो लेपर्ड दिवस और '#23for23' पहल

चर्चा में क्यों?

भारत ने **23 अक्तूबर, 2025** को **अंतर्राष्ट्रीय स्नो लेपर्ड दिवस** मनाया, जिसमें '#23for23' शीर्षक के तहत एक विशिष्ट राष्ट्रीय अभियान चलाया गया। इस अभियान ने लोगों को 23 मिनट **शारीरिक गतिविधि** के लिये समर्पित करने हेतु प्रेरित किया, ताकि **स्नो लेपर्ड (हिम तेंदुए)** और उनके **संवेदनशील उच्च ऊँचाई वाले आवासों** के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:** '#23for23' अभियान को वर्ष 2023 के लिये **23 मिनट की सक्रिय भागीदारी** का प्रतीक बनाकर शुरू किया गया, जिसका उद्देश्य वन्यजीव संरक्षण में जागरूकता और सार्वजनिक सहभागिता को बढ़ावा देना है।
  - यह अभियान **ग्लोबल स्नो लेपर्ड और ईकोसिस्टम प्रोटेक्शन प्रोग्राम (GSLEP)** के अंतर्गत, तथा **स्नो लेपर्ड ट्रस्ट वर्ल्डवाइड** के सहयोग से आयोजित किया गया।
- **भारत की संरक्षण उपलब्धियाँ:**
  - भारतीय हिमालय में की गई **पहली स्नो लेपर्ड गणना में 718 स्नो लेपर्ड** पाए गए, जिनमें से **477 लद्दाख** में हैं।
  - भारत ने उच्च ऊँचाई पर स्थित हिमालयों के लिये स्नो लेपर्ड को एक **फ्लैगशिप (मुख्य) प्रजाति** के रूप में चिह्नित किया है।
- **अंतर्राष्ट्रीय स्नो लेपर्ड दिवस:** यह दिवस **वर्ष 2013** में स्थापित हुआ, जब किर्गिज़स्तान में **बिशकेक घोषणा** को अपनाने के बाद उन **12 देशों** ने, जिनमें स्नो लेपर्ड की आबादी है, संरक्षण प्रयासों में सहयोग करने पर सहमति व्यक्त की।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **स्नो लेपर्ड की मेज़बानी करने वाले देश:** अफगानिस्तान, भूटान, चीन, भारत, कज़ाखस्तान, किर्गिज़स्तान, मंगोलिया, नेपाल, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज़्बेकिस्तान।

स्नो लेपर्ड (Panthera uncia): तथ्य

- **परिचय: मध्यम आकार की बिल्लियाँ** जो **अपनी चतुराई** के लिये जानी जाती हैं और कठोर, ऊँचाई वाले वातावरण में जीवित रहने की क्षमता रखती हैं।
- **पर्यावास:** मध्य और दक्षिण एशिया के पहाड़ों में मूल निवासी, आमतौर पर **9,800 से 17,000 फीट** की ऊँचाई पर पाई जाते हैं।
  - वन्य में लगभग **3,500 से 7,000** स्नो लेपर्ड होने का अनुमान लगाया गया है।
- **विशेषताएँ: मोटे, धूसर-सफेद फर** से युक्त, जो बर्फ और चट्टानों के बीच **छिपने** में सहायता करता है।
- **पारिस्थितिक महत्त्व: ये शीर्ष शिकारी** तथा संकेतक प्रजाति के रूप में कार्य करती हैं, क्योंकि उनकी उपस्थिति **उच्च ऊँचाई पारिस्थितिकी तंत्र** के स्वास्थ्य को दर्शाती है।
  - इनके शिकार से गिद्ध और भेड़िये जैसे अपशिष्ट का सेवन करने वाले जीवों को भोजन मिलता है, जिससे अन्य प्रजातियों का समर्थन होता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

वैश्विक वन संसाधन मूल्यांकन 2025

चर्चा में क्यों?

भारत ने **वैश्विक वन संसाधन मूल्यांकन (FRA) 2025** के अनुसार कुल वन क्षेत्र के मामले में विश्व में **नौवें स्थान** पर पहुँचकर पर्यावरण संरक्षण में एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त की है। यह रिपोर्ट खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO) द्वारा **बाली, इंडोनेशिया** में जारी की गई है।

- यह पूर्व में हुए मूल्यांकन में **दसवें स्थान** से सुधार को दर्शाता है और देश के सतत् वन प्रबंधन के प्रति बढ़ती प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:** वैश्विक वन संसाधन मूल्यांकन (FRA), जिसे FAO द्वारा संचालित किया जाता है, विश्व के वन संसाधनों का एक व्यापक अवलोकन प्रस्तुत करता है, जिसमें उनकी स्थिति, प्रबंधन और उपयोग शामिल हैं। यह **देशों द्वारा प्रस्तुत डेटा** पर आधारित होता है, जिसे विशेषज्ञ समीक्षा प्रक्रिया के माध्यम से सत्यापित किया जाता है।
  - यह रिपोर्ट सतत् विकास के लिये वर्ष 2030 एजेंडा, पेरिस जलवायु समझौता, **कुनमिंग-मॉन्ट्रियल वैश्विक जैवविविधता ढाँचा** और **संयुक्त राष्ट्र की वर्ष 2017-2030 के लिये वन रणनीतिक योजना** जैसी अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं की निगरानी में सहायता करती है।
- **भारत के संबंध में निष्कर्ष:**
  - रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत का **कुल वन क्षेत्र लगभग 72.73 मिलियन हेक्टेयर** है, जिससे देश विश्व में **नौवें स्थान** पर है।
  - वार्षिक वन क्षेत्र वृद्धि के मामले में भारत अभी भी दुनिया में **तीसरे स्थान** पर है, जो उसके बड़े पैमाने पर वनीकरण और संरक्षण पहलों की सफलता को दर्शाता है।
  - FAO रिपोर्ट में भारत के कृषि-वानिकी (एग्रोफॉरेस्ट्री) **क्षेत्र** को भी उजागर किया गया है। 91 देशों में 55.4 मिलियन हेक्टेयर एग्रोफॉरेस्ट्री भूमि में भारत और इंडोनेशिया मिलकर लगभग 70% वैश्विक कुल का प्रतिनिधित्व करते हैं।
    - केवल भारत में 12.87 **मिलियन हेक्टेयर** भूमि एग्रोफॉरेस्ट्री में है, जो कार्बन संग्रहण, **आजीविका सृजन और पारिस्थितिकी तंत्र पुनर्स्थापन** में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है।
- **वैश्विक रुझान:**
  - **FRA 2025** के अनुसार, वर्तमान में विश्व के वन लगभग **4.14 बिलियन हेक्टेयर** क्षेत्र में विस्तृत हैं, जो पृथ्वी की कुल भूमि क्षेत्र का लगभग एक-तिहाई है।
  - रिपोर्ट में वैश्विक स्तर पर **वनोन्मूलन (वनों की कटाई) की दर में कमी** देखी गई है, हालाँकि वर्तमान दर **प्रतिवर्ष 10.9 मिलियन हेक्टेयर** अभी भी अधिक है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- अब विश्व के आधे से अधिक जंगल **दीर्घकालिक प्रबंधन योजनाओं** के तहत हैं और लगभग **20% वन कानूनी रूप से स्थापित संरक्षित क्षेत्रों** में आते हैं।
- वैश्विक स्तर पर **रूस** सबसे ऊपर है, जिसका वन क्षेत्र **832.6 मिलियन हेक्टेयर** है, इसके बाद **ब्राज़ील, कनाडा, अमेरिका और चीन** का स्थान है।

पूर्वी तिमोर आसियान का 11वाँ सदस्य बना

चर्चा में क्यों ?

पूर्वी तिमोर **(तिमोर-लेस्ते)** 14 वर्ष की प्रतीक्षा के बाद आधिकारिक रूप से दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के संगठन (ASEAN) **का 11वाँ सदस्य** बन गया है।

- **औपचारिक रूप से इसका समावेश कुआलालंपुर** में एक समारोह में हुआ, जो 1990 के दशक के बाद आसियान का **पहला विस्तार है।**

मुख्य बिंदु

- **मुद्दे के बारे में:**
  - पूर्वी तिमोर ने वर्ष 2011 में आसियान की सदस्यता के लिये आवेदन किया था, उसे वर्ष 2022 में पर्यवेक्षक का दर्जा दिया गया तथा **14 वर्षों के बाद वर्ष 2025 में उसे पूर्ण सदस्यता प्राप्त** हुई।
  - इससे पहले आसियान में शामिल होने वाला अंतिम देश **1999 में कंबोडिया था।**
- **प्रभाव:**
  - सदस्यता से पूर्वी तिमोर को **आसियान के** मुक्त व्यापार समझौतों **में भाग लेने**, **निवेश के अवसर** प्राप्त करने और **व्यापक क्षेत्रीय बाज़ार में अपनी उपस्थिति का विस्तार** करने में मदद मिलेगी।
- **पूर्वी तिमोर (तिमोर-लेस्ते)**
  - पूर्वी तिमोर जिसे **तिमोर-लेस्ते** के नाम से भी जाना जाता है, दक्षिण-पूर्व में तिमोर सागर, **उत्तर में वेटार जलडमरूमध्य, उत्तर-पश्चिम में ओम्बाई जलडमरूमध्य और दक्षिण-पश्चिम में पश्चिमी तिमोर** (इंडोनेशियाई प्रांत पूर्वी नुसा तेंगारा का हिस्सा) से घिरा है।
  - पूर्वी तिमोर में तिमोर द्वीप का पूर्वी आधा हिस्सा शामिल है, **जिसका पश्चिमी आधा हिस्सा इंडोनेशिया का है।**
  - पूर्वी तिमोर, जिसे 18वीं शताब्दी में पुर्तगाल ने उपनिवेश **बनाया था**, पुर्तगाल के शासन के बाद वर्ष 1975 में इंडोनेशिया द्वारा कब्ज़ा कर लिया गया, जिसके कारण यहाँ स्वतंत्रता के लिये एक लंबा संघर्ष चला।
  - वर्ष 1999 में संयुक्त राष्ट्र की निगरानी में हुए जनमत संग्रह में, पूर्वी तिमोरियों ने स्वतंत्रता के लिये मतदान किया, जिसके कारण शांति सेना के हस्तक्षेप तक हिंसा जारी रही और **वर्ष 2002 में** संयुक्त राष्ट्र **द्वारा देश को आधिकारिक रूप से मान्यता दी गई।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

आसियान

- **स्थापना:** आसियान घोषणा (बैंकॉक घोषणा) पर हस्ताक्षर द्वारा (1967)
- **संस्थापक सदस्य:** इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर और थाईलैंड
- **सचिवालय:** इंडोनेशिया, जकार्ता

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **अध्यक्षता:** वार्षिक रूप से बदलती रहती है (वर्तमान में मलेशिया)
- **आसियान शिखर सम्मेलन बैठक:** वर्ष में दो बार आयोजित

आसियान

दक्षिण पूर्वी एशियाई राष्ट्रों का संगठन

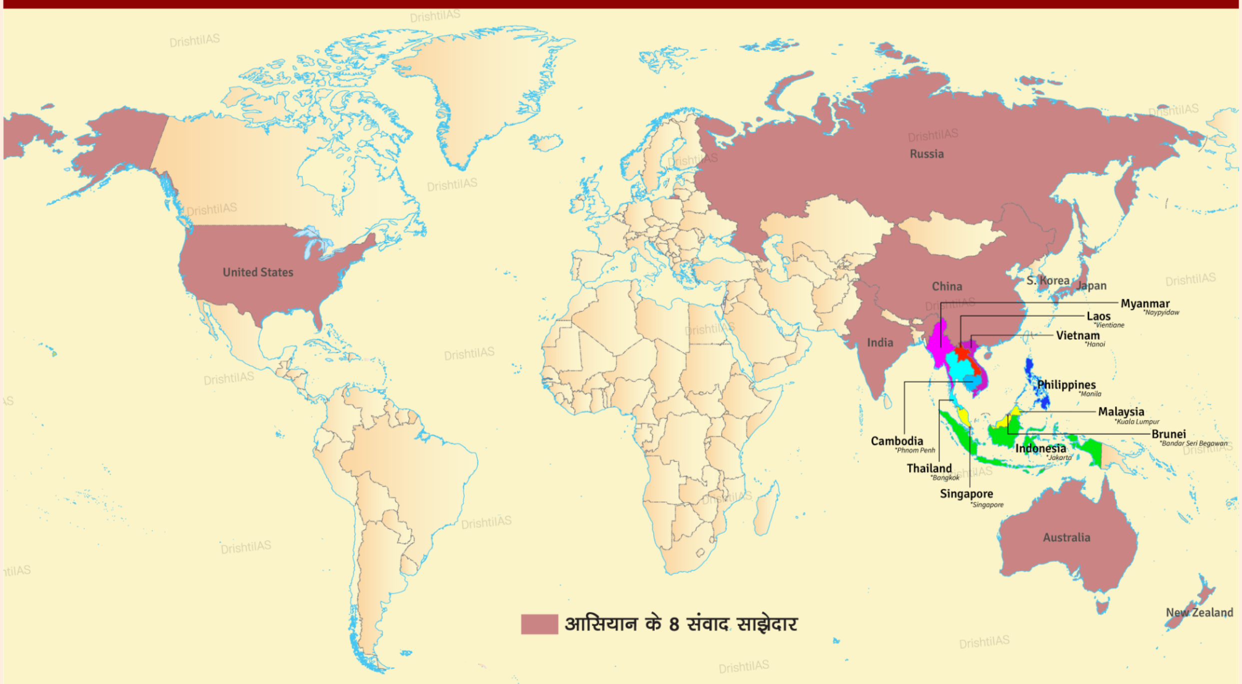

स्थापना: आसियान घोषणा (बैंकॉक घोषणा) (1967) पर हस्ताक्षर द्वारा
संस्थापक सदस्य: इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर और थाईलैंड
सचिवालय: इंडोनेशिया, जकार्ता
अध्यक्षता: वार्षिक रूप से बदलती रहती है
आसियान शिखर सम्मेलन: वर्ष में दो बार आयोजित
आसियान (ASEAN) अर्थव्यवस्था:
- संयुक्त GDP: ~3.66 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर (2022)
- कुल निर्यात: 1.73 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर (वर्ष 2021 में वैश्विक निर्यात का 8.24%)
- प्रमुख निर्यात मदें: मोनोलिथिक इंटीग्रेटेड सर्किट, पाम ऑयल, डेटा प्रोसेसिंग उपकरण

ADMM+बैठक: आसियान और उसके 8 संवाद साझेदारों (भारत, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, जापान, दक्षिण कोरिया, चीन, रूस और न्यूज़ीलैंड) के लिये मंच
- पहली बार आयोजन: हनोई, वियतनाम (2010)

Drishti IAS

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

भौतिक वैज्ञानिक जयंत नार्लीकर को विज्ञान रत्न

चर्चा में क्यों?

प्रसिद्ध भौतिक वैज्ञानिक **जयंत विष्णु नार्लीकर को मरणोपरांत** विज्ञान रत्न पुरस्कार **2025 के लिये चयनित** किया गया है, जो **विज्ञान और प्रौद्योगिकी** में **आजीवन उपलब्धियों** के लिये देश का सर्वोच्च सम्मान है।

- **भारत सरकार** ने राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार 2025 के **दूसरे संस्करण की** घोषणा की, जिसमें चार श्रेणियों - **विज्ञान रत्न, विज्ञान श्री, विज्ञान युवा** और **विज्ञान टीम** में **23 व्यक्तियों तथा एक संस्थान को** सम्मानित किया गया है।

मुख्य बिंदु

- **जयंत विष्णु नार्लीकर के बारे में:**
  - जयंत विष्णु नार्लीकर (1938–2025) एक **प्रख्यात खगोल-भौतिक वैज्ञानिक** थे, जो **ब्रह्मांड विज्ञान, सामान्य सापेक्षता** तथा **ब्रह्मांड के स्थिर-अवस्था सिद्धांत** पर अपने शोध कार्यों के लिये विख्यात थे।
  - **सर फ्रेड होयल** के निकट सहयोगी के रूप में उन्होंने **गुरुत्वाकर्षण के होयल-नार्लीकर सिद्धांत** का सह-विकास किया।
  - वे **पुणे स्थित अंतर-विश्वविद्यालय खगोल विज्ञान एवं खगोल-भौतिकी केंद्र (IUCAA)** के **संस्थापक निदेशक** रहे।
  - उनके योगदान ने भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान के मध्य सेतु का कार्य किया, जबकि उनके **लोकप्रिय विज्ञान लेखन** ने युवा वैज्ञानिकों की अनेक पीढ़ियों को प्रेरित किया।
- **राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार 2025 के प्राप्तकर्त्ता:**

विज्ञान श्री (विशिष्ट योगदान)	
प्राप्तकर्त्ता	**क्षेत्र**
ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह	कृषि विज्ञान
यूसुफ मोहम्मद शेख	परमाणु ऊर्जा
के. थंगराज	जैविक विज्ञान
प्रदीप थलप्पिल	रसायन विज्ञान
अनिरुद्ध भालचंद्र पंडित	इंजीनियरिंग विज्ञान
एस. वेंकट मोहन	पर्यावरण विज्ञान
महान एम.जे.	गणित और कंप्यूटर विज्ञान
जयन एन	अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी
विज्ञान युवा (युवा वैज्ञानिक पुरस्कार)	
जगदीश गुप्ता कपुगंती	कृषि विज्ञान
सतेंद्र कुमार मंगरौठिया	कृषि विज्ञान
देबरका सेनगुप्ता	जैविक विज्ञान

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

दीपा अगाशे	जैविक विज्ञान
दिब्येंदु दास	रसायन विज्ञान
वलीउर रहमान	भू - विज्ञान
अर्काप्रवा बसु	इंजीनियरिंग विज्ञान
सब्यसाची मुखर्जी	गणित और कंप्यूटर विज्ञान
श्वेता प्रेम अग्रवाल	गणित और कंप्यूटर विज्ञान
सुरेश कुमार	दवा
अमित कुमार अग्रवाल	भौतिक विज्ञान
सुरहुद श्रीकांत मोरे	भौतिक विज्ञान
अंकुर गर्ग	अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी
मोहनशंकर शिवप्रकाशम	प्रौद्योगिकी और नवाचार
विज्ञान टीम पुरस्कार	
CSIR अरोमा मिशन	कृषि विज्ञान

राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार

- **परिचय:**
  - **राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार (RVP)** भारत का सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान है जो वैज्ञानिकों, प्रौद्योगिकीविदों और नवप्रवर्तकों के असाधारण योगदान को मान्यता देता है।
  - पद्म पुरस्कारों की तर्ज़ पर स्थापित यह सम्मान **विज्ञान, प्रौद्योगिकी और** नवाचार के विविध क्षेत्रों में उपलब्धियों को मान्यता देता है।
  - ये पुरस्कार **प्रतिवर्ष भारत के** राष्ट्रपति **द्वारा** राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर **राष्ट्रपति भवन** में प्रदान किये जाते हैं।
  - वर्ष 2023 में स्थापित इस पुरस्कार के विजेताओं की अनुशंसा **प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार** की अध्यक्षता वाली **राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार समिति (RVPC)** द्वारा की जाती है।
  - इसका **पहला समारोह अगस्त, 2024** में आयोजित किया गया था।
- **श्रेणियाँ:**
  - **विज्ञान रत्न:** विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के किसी भी क्षेत्र में *आजीवन उपलब्धियों और योगदान* के लिये प्रदान किया जाता है।
  - **विज्ञान श्री:** विज्ञान और प्रौद्योगिकी के किसी भी क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिये सम्मानित किया जाता है।
  - **विज्ञान युवा:** विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में *असाधारण उपलब्धियों* के लिये *45 वर्ष से कम आयु* के युवा वैज्ञानिकों को प्रदान किया जाता है।
  - **विज्ञान टीम:** उत्कृष्ट सहयोगात्मक कार्य के लिये तीन या अधिक वैज्ञानिकों, शोधकर्त्ताओं या नवप्रवर्तकों की टीम को प्रदान किया जाता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

त्रिशूल अभ्यास

चर्चा में क्यों?

भारत ने पाकिस्तान से सटी **पश्चिमी सीमा** पर बड़े स्तर पर तीनों सेनाओं का संयुक्त अभ्यास 'त्रिशूल' प्रारंभ किया है।

- यह अभ्यास सर क्रीक क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच किसी भी उकसावे या विरोध का सामना करने तथा **रक्षा तैयारियों को सुदृढ़** करने में भारत की तत्परता को रेखांकित करता है।

मुख्य बिंदु

- **अभ्यास के बारे में:**
  - यह अभ्यास **30 अक्तूबर से 10 नवंबर, 2025** तक निर्धारित है, जिसमें सेना, नौसेना और वायु सेना की बड़े पैमाने पर भागीदारी शामिल है।
    - इसका उद्देश्य **परिचालन तत्परता, संयुक्त समन्वय** और **बहु-क्षेत्र युद्ध कौशल** को बढ़ाना है।
  - इस अभ्यास का **कोड नाम "त्रिशूल"** है, जबकि आंतरिक रूप से इसे **"महागुर्जर"** कहा जाता है।
  - यह अभ्यास **जैसलमेर (राजस्थान) से सर क्रीक (गुजरात)** तक फैले थार रेगिस्तान को कवर करेगा।
- **उद्देश्य:**
  - मुख्य लक्ष्य **सेना, नौसेना और वायुसेना** के बीच **संयुक्त संचालन** का परीक्षण तथा सुधार करना है, जिसमें **भूमि, समुद्र, वायु** एवं **साइबर क्षेत्र** शामिल हैं।
  - अभ्यास में **एकीकृत संचालन, डीप-स्ट्राइक मिशन, अम्फीबियस युद्ध** और **बहु-क्षेत्र युद्ध तैयारियों** पर विशेष जोर दिया जाएगा।
  - यह अभ्यास **विभिन्न कमांडों के बीच समन्वय** बढ़ाने और **नवीनतम स्वदेशी हथियार प्रणालियों** को **वास्तविक युद्ध परिस्थितियों में परखने** का भी लक्ष्य रखता है।
- **भागीदारी:**
  - **सेना** ने **20,000 से अधिक सैनिक** तैनात किये हैं, जिन्हें **T-90S और अर्जुन टैंक, हॉवित्ज़र, सशस्त्र हेलीकॉप्टर** तथा **मिसाइल प्रणाली** का समर्थन प्राप्त है।
  - **वायुसेना (IAF)** उच्च-गति वाले **"महागुर्जर"** संचालन कर रही है, जिसमें राफेल और सुखोई-30MKI फाइटर जेट, परिवहन तथा ईंधन भरण विमान (IL-78), AEW&C प्रणाली एवं UAVs तैनात हैं।
  - **नौसेना** ने सौराष्ट्र और गुजरात तटों पर **फ्रिगेट** तथा **विध्वंसक पोत** तैनात किये हैं, ताकि अम्फीबियस एवं समुद्री युद्ध अभ्यास किया जा सके।
- **एयरमैन को नोटिस (NOTAM):**
  - भारतीय वायु सेना (IAF) ने अभ्यास के दौरान राजस्थान और गुजरात के बड़े हिस्सों में **नागरिक उड़ानों को प्रतिबंधित करने के लिये एयरमैन को नोटिस (NOTAM)** जारी किया है, जबकि पाकिस्तान ने 28–29 अक्तूबर 2025 के आसपास अपने केंद्रीय तथा दक्षिणी वायु क्षेत्र में समान रूप से हवाई मार्गों पर प्रतिबंध लगाया है, संभवतः अपने **सैन्य अभ्यास या हथियार परीक्षण** के कारण।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मोंथा चक्रवात

चर्चा में क्यों?

बंगाल की खाड़ी में उत्पन्न चक्रवात "**मोंथा**" भारत के **पूर्वी तट** के निकट पहुँचते ही **तीव्र रूप ले रहा है**, जिसके कारण **आंध्र प्रदेश, ओडिशा** और **तमिलनाडु** में **हाई अलर्ट** जारी किया गया है।

मुख्य बिंदु

- **चक्रवात के बारे में:**
  - **परिभाषा:** चक्रवात वे तेज़ वायु-संचलन हैं, जो **निम्न-दबाव क्षेत्रों** के चारों ओर घूमते हैं, जो **उत्तरी गोलार्द्ध** में **वामावर्त** तथा **दक्षिणी गोलार्द्ध** में **दक्षिणावर्त** घूमता है। ये अक्सर **तूफान और गंभीर मौसम** उत्पन्न करते हैं।
  - **चक्रवातों का वर्गीकरण:** IMD विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) के दिशानिर्देशों का पालन करते हुए **बंगाल की खाड़ी** और **अरब सागर** में कम दबाव वाली प्रणालियों को **क्षति क्षमता** के आधार पर वर्गीकृत करता है।
  - **चक्रवातों का नामकरण:** WMO/ESCAP (एशिया और प्रशांत के लिये संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक आयोग) का **ट्रॉपिकल साइक्लोन पैनल**, जिसमें **13 उत्तरी** हिंद महासागर **देश** शामिल हैं, **अरब सागर एवं बंगाल की खाड़ी के चक्रवातों** के नामकरण का प्रबंधन करता है।
    - पैनल के पास **13 देशों द्वारा प्रस्तुत नामों की पूर्व-निर्धारित सूची** होती है, जिसका **क्रमिक रूप से उपयोग** किया जाता है।
    - नामों का चयन **स्तंभ दर स्तंभ** किया जाता है, चाहे चक्रवात **कहीं भी उत्पन्न** हुआ हो।
- **हालिया चक्रवात:**
  - **'मोंथा' नाम,** जिसका अर्थ है सुंदर या सुगंधित फूल, **थाईलैंड द्वारा दिया गया था।**
  - इस मौसम के पहले चक्रवाती तूफान का नाम **श्रीलंका के सुझाव पर 'शक्ति' रखा गया।**
  - हाल ही में आए अन्य चक्रवातों में **शक्ति** (श्रीलंका), **फेंगल** (सऊदी अरब), **दाना** (कतर), **असना** (पाकिस्तान) और **रेमल** (ओमान) शामिल हैं।
  - नामकरण सूची के अनुसार, अगला चक्रवात **सेंयार (UAE) होगा,** उसके बाद **दित्वा (यमन), अर्नब (बांग्लादेश)** और **मुरासु (भारत) होंगे।**

DFC पर यात्री ट्रेनों का परिचालन

चर्चा में क्यों?

भारतीय रेलवे के इतिहास में पहली बार, **डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (DFC)** नेटवर्क **पर यात्री ट्रेनों का परिचालन शुरू किया गया है।**

मुख्य बिंदु

- पारंपरिक रूप से, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर **(DFCs) विशेष रूप से माल परिवहन** के लिये विकसित किये गए थे, जिनका उद्देश्य लॉजिस्टिक्स की दक्षता बढ़ाना और मौजूदा रेलवे लाइनों पर भीड़ को कम करना था।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- हालाँकि **छठ पूजा (25-28 अक्तूबर, 2025) के दौरान भारी भीड़ के कारण**, रेलवे ने पहली बार खाली **पैसेंजर कोचिंग रैक और विशेष ट्रेनों** को DFC पर चलाने की अनुमति दी।
- इस कदम से त्योहार के समय अधिक संख्या में **पैसेंजर और एक्सप्रेस ट्रेनें** संचालित करना संभव हुआ।

DFC का स्वरूप:

- **ईस्टर्न DFC (EDFC): ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर** लुधियाना (पंजाब) से शुरू होकर उत्तर प्रदेश और बिहार होते हुए दनकुनी (पश्चिम बंगाल) तक लगभग 1,839 किमी की लंबाई में विस्तृत है। EDFC का अधिकांश वित्तपोषण विश्व बैंक द्वारा किया जा रहा है।
- **वेस्टर्न DFC (WDFC):** यह जवाहरलाल नेहरू पोर्ट टर्मिनल (JNPT), मुंबई से दादरी तक लगभग 1,506 किमी लंबा है। WDFC का वित्तपोषण **जापान अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एजेंसी (JICA)** द्वारा किया जा रहा है।

8वें वेतन आयोग की संदर्भ शर्तें स्वीकृत

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 8वें केंद्रीय वेतन आयोग (CPC) के लिये **संदर्भ की शर्तों (ToR)** को स्वीकृति दे दी है।

- यह आयोग **केंद्रीय सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के वेतन संरचना** तथा सेवानिवृत्ति लाभों की समीक्षा एवं सिफारिश करने के लिये उत्तरदायी है।

मुख्य बिंदु

- **8वें केंद्रीय वेतन आयोग (CPC) के गठन की घोषणा जनवरी, 2025 में की गई थी** और इसके **संदर्भ की शर्तों (ToR)** को 28 अक्तूबर, 2025 को मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित किया गया था।
- आयोग अपने गठन के **18 महीने के भीतर अपनी सिफारिशें प्रस्तुत करेगा,** जिससे लगभग 50 लाख केंद्रीय सरकारी कर्मचारी (रक्षा कार्मिकों सहित) एवं 69 लाख पेंशनभोगी प्रभावित होंगे।
- आयोग की रिपोर्ट प्रस्तुत होने के बाद **संशोधित वेतन एवं पेंशन संरचना जनवरी, 2026 से लागू होने की संभावना है।**
- **8वें केंद्रीय वेतन आयोग की संरचना:**

पद	नाम / पदनाम
अध्यक्ष	न्यायमूर्ति रंजन प्रकाश देसाई (पूर्व सर्वोच्च न्यायालय न्यायाधीश)
अंशकालिक सदस्य	प्रो० पुलक घोष (भारतीय प्रबंधन संस्थान, बंगलूरू)
सदस्य सचिव	पंकज जैन (पेट्रोलियम सचिव)

- **संदर्भ की शर्तें (ToR):**
  - 8वें केंद्रीय वेतन आयोग को निम्नलिखित विषयों पर विचार करने के बाद सिफारिशें करने का कार्य सौंपा गया है:
    - देश की आर्थिक स्थिति एवं राजकोषीय **सतर्कता** की आवश्यकता।
    - विकासात्मक व्यय एवं **कल्याणकारी उपायों** के लिये संसाधनों की उपलब्धता।
    - गैर-अंशदायी पेंशन योजनाओं की अवित्तपोषित लागत (विशेषकर 2004 से पूर्व की पेंशन देयताएँ)।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- राज्य के वित्त पर प्रभाव, क्योंकि राज्य सरकारें अक्सर अपने वेतनमान को केंद्र के अनुरूप करती हैं।
- केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (CPSU) एवं निजी क्षेत्र में कर्मचारियों की वर्तमान पारिश्रमिक संरचना, लाभ तथा कार्य स्थितियाँ।

- **पृष्ठभूमि:**
  - वेतन आयोग का **गठन** आमतौर पर **प्रत्येक 10 वर्ष में एक बार किया** जाता है ताकि सरकारी कर्मचारियों के भत्ते, वेतन संरचना एवं पेंशन में बदलाव की समीक्षा तथा सिफारिश की जा सके।
  - 7वें केंद्रीय वेतन आयोग का गठन वर्ष 2014 में किया गया था और इसकी सिफारिशें 1 जनवरी, 2016 से लागू की गईं।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत 53वें मुख्य न्यायाधीश नियुक्त

चर्चा में क्यों?

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने **न्यायमूर्ति सूर्यकांत** को भारत का **53वाँ** मुख्य न्यायाधीश (CJI) नियुक्त किया है।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:**
  - वे **24 नवंबर, 2025** को **न्यायमूर्ति बी. आर. गवई** के उत्तराधिकारी के रूप में पदभार ग्रहण करेंगे और **10 फरवरी, 2027** तक लगभग **15 माह** का कार्यकाल पूरा करेंगे।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- वह **हरियाणा से भारत के पहले मुख्य न्यायाधीश** होंगे।
- वह **पहली पीढ़ी के वकील** हैं, जो अपनी **स्पष्ट टिप्पणियों, संतुलित निर्णयों और संवैधानिक नैतिकता पर ज़ोर** देने के लिये जाने जाते हैं।
- उनके कार्यकाल में **न्यायिक सुलभता,** प्रशासनिक सुधार और **संवैधानिक व्याख्या में स्थिरता** पर विशेष ध्यान दिये जाने की संभावना है।

- **महत्त्वपूर्ण निर्णय:**
  - **अनुच्छेद 370:** पाँच-सदस्यीय पीठ के सदस्य रहे, जिसने **अनुच्छेद 370 के निरसन को वैध** ठहराया।
  - **अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय का अल्पसंख्यक दर्जा:** इस संबंध में **महत्त्वपूर्ण निर्णय देने वाली पीठ** का हिस्सा रहे।
  - **चुनाव आयोग की निगरानी:** वर्तमान में **बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया** की देखरेख करने वाली पीठ की अध्यक्षता कर रहे हैं।
- **भारत के मुख्य न्यायाधीश:**
  - **अनुच्छेद** 124 (2) के तहत मुख्य न्यायाधीश सहित सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।
  - **वरिष्ठतम न्यायाधीश** को सेवा की अवधि के आधार पर मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया जाता है (यह **परंपरा है, कोई कानूनी बाध्यता नहीं**)।
  - **अर्हता:** मुख्य न्यायाधीश के रूप में अर्हता प्राप्त करने के लिये व्यक्ति को
    - भारत का नागरिक होना चाहिये,
    - कम-से-कम **5 वर्ष उच्च न्यायालय के न्यायाधीश** या
    - **10 वर्ष अधिवक्ता** के रूप में कार्य किया होना चाहिये,
    - अथवा राष्ट्रपति की राय में **एक प्रतिष्ठित विधिवेत्ता** होना चाहिये।
- मुख्य न्यायाधीश को **केवल** संसद **के दोनों सदनों में** विशेष बहुमत **से पारित प्रस्ताव** के पश्चात् ही राष्ट्रपति द्वारा हटाया जा सकता है।

राष्ट्रीय एकता दिवस

चर्चा में क्यों ?

राष्ट्रीय एकता दिवस प्रतिवर्ष 31 अक्तूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल के भारत के एकीकरण में योगदान के सम्मान में मनाया जाता है।

- वर्ष 2025 में यह दिवस विशेष महत्त्व रखता है, क्योंकि यह **सरदार पटेल की 150वीं जयंती** का प्रतीक है।

मुख्य बिंदु

- **राष्ट्रीय एकता दिवस:**
  - यह दिवस सरदार वल्लभभाई पटेल द्वारा प्रतिपादित **एकता, अखंडता और समावेशिता** के मूल्यों का प्रतीक है।
  - इसे **पहली बार वर्ष 2014 में मनाया गया था,** जब सरकार ने **राष्ट्र-निर्माण** में पटेल के ऐतिहासिक योगदान को सम्मानित करने का निर्णय लिया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- वर्ष 2015 के आयोजन के दौरान **प्रधानमंत्री** नरेंद्र मोदी ने **'एक भारत श्रेष्ठ भारत'** पहल की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य विभिन्न राज्यों के लोगों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान और परस्पर जुड़ाव को सशक्त करना था।

कार्यक्रम:

- **केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्रालय** द्वारा **माई भारत मंच** के माध्यम से आयोजित **सरदार @150 एकता यात्रा** का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य युवाओं में एकता, देशभक्ति तथा नागरिक दायित्व की भावना को बढ़ावा देना था, जो **'एक भारत, आत्मनिर्भर भारत'** के दृष्टिकोण के अनुरूप है।
- इसके अतिरिक्त, 31 अक्तूबर, 2025 को देश के प्रमुख शहरों में **"रन फॉर यूनिटी"** नामक राष्ट्रव्यापी दौड़ का आयोजन किया गया, जिसका **शुभारंभ नई दिल्ली** से हुआ।

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी:

- 31 अक्तूबर, 2018 को सरदार पटेल की स्मृति में **182 मीटर (600 फीट)** ऊँची विश्व की सबसे विशाल प्रतिमा **स्टैच्यू ऑफ यूनिटी** का उद्घाटन **गुजरात के केवडिया** में किया गया।
- यह प्रतिमा **नर्मदा नदी** के तट पर, **सरदार सरोवर बाँध** (जो कंक्रीट की मात्रा के आधार पर विश्व का दूसरा सबसे बड़ा गुरुत्व बाँध है) के समीप **साधु बेट पहाड़ी** पर स्थित है।
- वर्ष **2020** में इसे **शंघाई सहयोग संगठन (SCO)** के **"आठ अजूबों"** की सूची में भी शामिल किया गया था।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025
SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस
SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स
SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप
SCAN ME

सरदार वल्लभ भाई पटेल

परिचय

- भारत के **पहले गृहमंत्री तथा उप-प्रधानमंत्री**
- बारदोली की महिलाओं द्वारा **'सरदार'** की उपाधि दी गई

'एक भारत श्रेष्ठ भारत' का दृष्टिकोण

- इनके जन्मदिन को **राष्ट्रीय एकता दिवस** के रूप में मनाया जाता है।
- इनकी स्मृति में गुजरात में वर्ष 2018 में **'स्टेच्यू ऑफ यूनिटी'** का अनावरण किया गया।

संविधन सभा की समितियाँ जिनकी अध्यक्षता सरदार वल्लभ भाई पटेल ने की

- **मूल अधिकारों पर** सलाहकार समिति
- **अल्पसंख्यकों और जनजातीय एवं वंचित क्षेत्रों पर** समिति
- **प्रांतीय गठन समिति**

प्रमुख योगदान

- **खेड़ा (1918)** तथा **बारदोली (1928)** आंदोलनों को राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन के साथ एकीकृत किया।
- **कॉन्ग्रेस के 46 वें अधिवेशन (मार्च 1931) की अध्यक्षता** करते हुए **गांधी-इरविन समझौते** की पुष्टि का आह्वान किया।
- इन्हें **'भारत के सिविल सेवकों के संरक्षक संत'** के रूप में याद किया जाता है क्योंकि इन्होने **आधुनिक अखिल भारतीय सेवा प्रणाली की स्थापना** की।
- इन्होंने लगभग **565 देशी रियासतों का भारतीय संघ में विलय** करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई जिसके चलते इन्हें **'भारत का लौह पुरुष'** के रूप में जाना गया।

✦ ✦ ✦ ✦

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 — SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स — SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

नोट :